www.tamsasanket.com
वर्षः 06||अंक 120||लखनऊ
गुरुवार
30 जुलाई 2026||पृष्ठः 04||मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:29
सूर्यास्तः 06:57
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 28°00

पेज 07 »

विशेष समाचार पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की... >>पेज 04 | मुस्लिमों ने संत की आरती उतारी... >>पेज 06 | असम बाढ़ पीड़ितों के लिए मसीहा ...

इसमें 7 साल की सजा ■ 10 करोड़ तक जुर्माना ■ राज्यसभा में वंदेमातरम से जुड़ा संशोधित बिल पास

पेपर लीक रोकने का सख्त कानून लोकसभा में पास

सख्त

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा में पेपर लीक से जुड़ा 'लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 बुधवार को ध्वनि मत से पास हो गया। बिल पर मंगलवार को 9 घंटे चर्चा हुई। बुधवार को विपक्ष की तरफ से राहुल गांधी बिल पर 50 मिनट बोले। विपक्ष के हंगामे के बीच बिल पास हुआ। इसके तहत पेपर लीक से जुड़े कानून सख्त कर दिए हैं। अब पेपर लीक से जुड़े अपराधों में अधिकतम 10 साल तक की जेल और 10 करोड़ रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। वहीं राज्यसभा में राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल पास हो गया। अब जन-गण-मन की तरह वंदे मातरम को कानूनी संरक्षण मिलेगा। वंदे मातरम का अपमान, अनादर और गायन में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा। लोक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक लोकसभा में ध्वनि मत से पास हुआ।नए संशोधन बिल में होने वाले बदलाव बिल पर बोलते हुए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि विपक्ष बिल के नाम पर राजनीति कर रही है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जिन अपशब्दों का इस्तेमाल किया वे असंसदीय हैं। माननीय सदस्य खुद को भी इडियट समझें तो वह नहीं कर सकते। उन्हें नियमों की जानकारी नहीं है।

>> (शेष पेज 06 पर)

राहुल ने कहा, 'देश का भविष्य सड़कों पर उतरा। प्रदर्शन में गुस्सा, नफरत नहीं थी। वे केवल अपनी आवाज उठा रहे थे। अगर भाजपा के मेरे मित्र अपने बच्चों से पूछें कि उनके भाई-बहन जो कर रहे हैं, उसके बारे में वे क्या सोचते हैं, तो उन्हें अपने बच्चों का भी समर्थन ही मिलेगा।'

पेपर लीक संशोधन बिल

क्या-क्या बदलेगा

मुद्दा	2024 का कानून	2026 का प्रस्तावित संशोधन
उद्देश्य	पेपर लीक और नकल रोकने के लिए कानून बनाया गया था।	कानून को और सख्त बनाकर जांच और ट्रायल की प्रक्रिया तेज की जाएगी।
पेपर लीक/अनुचित साधन	3 से 5 साल तक की जेल का प्रावधान था।	कम से कम 5 साल और अधिकतम 10 साल की जेल, साथ ही 50 लाख रुपए तक जुर्माना।
संगठित अपराध	5 से 10 साल की जेल और कम से कम 1 करोड़ रुपए जुर्माना।	कम से कम 7 साल की जेल और 10 करोड़ रुपए तक जुर्माना।
जांच की समय-सीमा	कोई तय समय-सीमा नहीं थी।	2 महीने के भीतर जांच पूरी करनी होगी।
मुकदमे की सुनवाई	सुनवाई पूरी करने की कोई तय समय-सीमा नहीं थी।	चार्जशीट दाखिल होने के 3 महीने के भीतर ट्रायल पूरा करने का लक्ष्य, रोजाना सुनवाई होगी।
फास्ट ट्रैक कोर्ट	स्पष्ट प्रावधान नहीं था।	राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश विशेष फास्ट ट्रैक कोर्ट बना सकेंगे।
विशेष टास्क फोर्स (STF)	ऐसा कोई प्रावधान नहीं था।	जरूरत पड़ने पर केंद्र सरकार विशेष STF बनाकर जांच करा सकेगी।
अपराधों की सूची	अपराधों का इतना विस्तृत वर्गीकरण नहीं था।	15 तरह के अपराध स्पष्ट किए गए हैं, जैसे पेपर लीक, OMR शीट से छेड़छाड़, फर्जी वेबसाइट, फर्जी एडमिट कार्ड आदि।
परीक्षा सुरक्षा	विस्तृत परिचालन मानक तय नहीं थे।	बायोमेट्रिक रजिस्ट्रेशन, परीक्षा केंद्रों का प्री-ऑडिट, स्क्रीनिंग, सीट आवंटन, प्रश्नपत्र सुरक्षा, इनविजिलेशन और परीक्षा के बाद की प्रक्रिया के लिए विस्तृत मानक तय किए जाएंगे।

राहुल ने कहा- स्टूडेंट ओपन माइंड और ओपन हार्ट है

राहुल ने बताया, एक लड़की ने कहा- स्टूडेंट ओपन माइंड और ओपन हार्ट है। स्टूडेंट्स को पता है कि जो यह दुनिया लगातार बदल रही है। उन्हें समझ आता है कि ज्ञान भी हर समय बदलता है। स्टूडेंट्स को पता कि उन्हें सारा सच नहीं पता।

■ *युवती ने बताया कि स्टूडेंट्स की दूसरी कैटेगरी को लगता है उन्हें सब पता है। वे एरोगेंट हैं। वे सुनते नहीं है। दूसरों के सच को नहीं समझते। मैंने पूछा कि आप इन्हें क्या समझती हैं।*

■ *लड़की ने कहा, 'मैं इन्हें इडियट समझती हूं। ये इडियट्स किसी की नहीं सुनते। इस देश के भविष्य ने हमारी सड़कों पर जो किया, उससे मुझे भरोसा मिला। छात्रों का लक्ष्य होता है कि वह सच्चाई के पीछे दौड़ता है। उसके लिए सच मीठा होता है।*

■ *तो मैंने पूछा कि वाट अबाउट इडियट्स। तो उसने कहा, 'इडियट खुद को भगवान बताने की कोशिश करता है। उसे अपना विशाल इमेज बनाना होता है।'*

■ *मैं सोचा कि ये स्टूडेंट है और ये इडियट भी हैं, तो मैंने पूछा कि तीसरी कैटेगरी कहां जाती है।*

■ *तो मैंने पूछा- अंधभक्त*

■ *उसने कहा, 'अंधभक्त वो होतें हैं, जिन्हें लगता है इडियट भगवान है। वे इडियट को फॉलो करते हैं। 18 साल की छात्रा का नाम लवली है। वह छात्रों की गूंज प्रोट्स्ट में शामिल थी।'*

वंदे मातरम के अपमान पर अब 3 साल तक की जेल

राष्ट्रीय सम्मान अपमान निवारण संशोधन विधेयक (2026) बिल के तहत 1971 के मूल अधिनियम में संशोधन का प्रावधान किया गया है। नए कानून में राष्ट्रगीत के अपमान के लिए तीन साल तक की जेल या जुर्माना या दोनों के प्रावधान हैं।

जितेंद्र सिंह बोले- गोली चलाने का आदेश गृहमंत्री नहीं देते

राहुल जी ने कहा कि शाह के साथ 30 गाड़ियों का काफिला था। इन्हें ये नहीं पता कि गृह मंत्री के साथ 30 गाड़ियां नहीं चलतीं और शाह विदेश नहीं गए हैं। तथ्यों के बिना गैरजिम्मेदारी से सदन में ये बातें कहना और फिर निकल जाना ये किसी नेता प्रतिपक्ष का व्यवहार हो ही नहीं सकता।

21 जुलाई को नेता प्रतिपक्ष पीएम आवास के बाहर जाकर बैठ गए। इनकी हसरत है कि देश इनको पीएम बनाए। लेकिन इनका सपना पूरा नहीं हुआ तो ये पीएम आवास के बाहर जाकर बैठ गए। जब इन्हें समझाया गया निवेदन किया कि आप यहां से हट जाइए। तो इन्होंने कहा कि मुझे उठा लिया गया। शुरू में ये प्रदर्शन में शामिल नहीं हुए क्योंकि इन्हें लगा ये आम आदमी पार्टी का आंदोलन है। लेकिन बाद में इन्हें FOMO (फियर ऑफ मिसिंग आउट) हो गया।

राहुल-रिजिजू के बीच फायरिंग की इजाजत पर बहस हुई

■ **राहुल-** ने कहा,गृह मंत्री ने छात्रों पर शूटिंग की इजाजत दी। पैलेट गन चलाने का आदेश दिया। छात्रों पर गोली चलाने का आदेश दिया।

■ **रिजिजू-** आप बिना सोचे समझे बोल रहे हैं। ऐसा मत बोलिए। आपको गंभीरता से बोलना चाहिए। ये ठीक नहीं है। ये किस आधार पर आपने बयान दिया। आपको किसने बताया। आप माफी मांगिए। गोली चली, ये छोटी बात नहीं है। ऐसा कैसे कह सकते हैं कि किसी ने गोली चलाई। ये गंभीर आरोप है।

विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी शुरू की- 'राहुल गांधी को बोलने दो, राहुल गांधी को बोलने दो।'

■ **अखिलेश यादव-** अगर नेता प्रतिपक्ष ने गंभीर आरोप लगाए हैं तो ये सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि छात्रों पर ऐसा व्यवहार किसने किया ये जांच करे।

■ **रिजिजू-** आप जांच की मांग करिए, लेकिन राहुल गांधी सीधे-सीधे गृह मंत्री पर आरोप लगा रहे हैं। आपको माफी मांगना होगा। झूठा आरोप लगाया है।

केंद्र ने मूंग खरीदी का टारगेट नहीं दिया : शिवराज

एमपी के 3 मंत्री और किसानों की बैठक बेनतीजा, किसान बोले- गेट तोड़कर सीएम हाउस में घुसेंगे

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल। मूंग खरीदी, ई-टोकन सिस्टम रद्द करने समेत 3 मांगों को लेकर भोपाल में किसानों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी है। समाधान निकालने के लिए मंत्रालय में 3 मंत्रियों और सीनियर अधिकारियों के साथ किसानों के 15 प्रतिनिधियों की बैठक हो रही है। 2 घंटे की बैठक बेनतीजा रही। किसानों के प्रदर्शन के बीच केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने लेटर जारी कर कहा- हमने लक्ष्य नहीं दिया। मध्य प्रदेश को उत्पादन के 25% तक मंजूरी दी गई है। अतिरिक्त खरीदी राज्य करे। उधर, नीट पेपर लीक मामले में दिल्ली में जंतर-मंतर पर आंदोलन का नेतृत्व करने वाले CJP के फाउंडर अभिजीत दिपके ने किसानों का समर्थन किया है। किसानों और पुलिस के बीच झड़प, कपड़े फटे इसके पहले MP नगर में किसानों और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई। इस दौरान कुछ किसानों के कपड़े फट गए। वहीं, रास्ते में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के घर का घेराव कर दिया। शिवराज के घर के बाहर नारेबाजी के बाद किसान सीएम हाउस की ओर बढ़ रहे हैं।

सीजेपी की कंगना को नसीहत- परिवार में भी ऐसी भाषा बोलेंगी

ये मानसिक रूप से स्थिर व्यक्ति के शब्द नहीं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनोट ने Gen Z को 'जनरेशन गटर' कहा था। इस पर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रवक्ता सौरव दास ने कहा कि अगर आपके परिवार में Gen Z या जेन अल्फा का कोई युवा है, तो क्या आप उनके लिए ऐसी भाषा का इस्तेमाल करेंगी?' कंगना ने मंगलवार को इंस्टाग्राम स्टोरीज पर नीट परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर CJP के नेतृत्व में हो रहे आंदोलन पर निशाना साधा था। कंगना की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए सौरव दास ने कहा कि उनकी भाषा अशोभनीय है। उन्होंने कंगना पर 'CJP लहर' का फायदा उठाने की कोशिश करने का आरोप लगाया। दास ने कहा, 'ये शब्द किसी मानसिक रूप से स्थिर व्यक्ति के नहीं लगते। उनके निर्वाचन क्षेत्र के वीडियो हैं, जहां वह लोगों से कह रही हैं कि आप लोग तो बहुत काम कराते हो। मुझे तो लगा था कि एमपी बनकर ज्यादा काम नहीं होगा, लेकिन यहां तो मुझे रोज काम करना पड़ रहा है। यह उनकी अपने काम के प्रति गंभीरता है।'

फास्ट न्यूज

सावन-भादौ में बाबा महाकाल की 6 सवारी निकलेंगी

उज्जैन। भगवान शिव के प्रिय सावन माह की शुरुआत इस साल गुरुवार 30 जुलाई से हो रही है जबकि समापन पूर्णिमा तिथि के साथ 28 अगस्त को होगा। इस पवित्र महीने में आराधना के लिए प्रदेशभर के सभी मंदिरों में तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में प्रतिदिन करीब 4 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।

अहमदाबाद विमान हादसे की वजह फ्यूल-स्विच में खराबी नहीं

नई दिल्ली। अहमदाबाद विमान हादसे की वजह फ्यूल कंट्रोल स्विच में खराबी नहीं थी। यह जानकारी सरकार ने राज्यसभा में बुधवार को दी। नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने बताया कि विमान निर्माता कंपनी के एडवांस टेस्ट में भी इस सिस्टम में किसी तरह की खामी सामने नहीं आई है। हालांकि, पिछले साल जारी AAIB की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में दावा किया गया था कि उड़ान भरने के कुछ ही समय बाद दोनों इंजनों के फ्यूल कंट्रोल स्विच बंद हो गए थे। इससे दोनों इंजन बंद हो गए थे। पिछले साल 12 जून 2025 को लंदन जाने वाली AI-171 फ्लाइट मेघानीनगर में बीजे मेडिकल कॉलेज के हॉस्टल से टकराकर क्रैश हो गई थी।

पंजाब में बेडरूम के नीचे शराब का टैंक मिला

कपूरथला। कपूरथला में आबकारी विभाग और पुलिस ने अवैध शराब के बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। यहां एक मकान के बेडरूम के फर्श को तोड़ने पर करीब 8 फीट नीचे करीब 1000 लीटर क्षमता की टंकी मिली। इसमें स्पिरिट से तैयार अवैध शराब छिपाकर रखी जाती थी। टंकी से शराब निकालने के लिए टुल्लू पंप और पाइपलाइन सिस्टम लगाया गया था।

कोयला घोटाला में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह पर केस बंद

सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई क्लोजर को मंजूरी दी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के खिलाफ कोयला ब्लॉक आवंटन मामले में चल रहा क्रिमिनल केस बंद कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने 12 साल बाद सीबीआई की 2014 की 2 क्लोजर रिपोर्ट को मंजूरी दे दी। कोर्ट ने कहा कि पूर्व पीएक के खिलाफ करप्शन के कोई ठोस सबूत नहीं हैं। यह मामला यूपीए सरकार के कार्यकाल के दौरान तलाबीरा-2 कोयला ब्लॉक के आवंटन से जुड़ा है। साल 2015 में विशेष सीबीआई कोर्ट ने एजेंसी की क्लोजर रिपोर्ट को नामंजूर कर दिया था। कोर्ट ने मनमोहन सिंह और अन्य आरोपियों को ट्रायल का सामना करने के लिए तलब किया था। इस आदेश को पूर्व प्रधानमंत्री ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। तब से मामला कोर्ट में था। डॉ. सिंह का 26 सितंबर 2024 को 92 साल की उम्र में निधन हो गया था। पूर्व प्रधानमंत्री की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल और एएम सिंघवी ने दलील दी कि सीबीआई ने 27 अगस्त 2014 और 21 अक्टूबर 2014 को ट्रायल कोर्ट में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

बांटने वालों के आदर्श बाबर और औरंगजेब : सीएम

भदोही का नाम फिर से संत रविदास नगर कराएंगे, 'समरसता संकल्प अभियान' की हुई शुरुआत

"योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज इस कार्यक्रम में देशभर से ढाई सौ संत पहुंचे हैं। हम सभी का स्वागत और सम्मान करते हैं। संत रविदास की जन्मस्थली से आज जो मिट्टी जा रही है, वह देश के कोने-कोने तक पहुंचे, इसके लिए उत्तर प्रदेश सरकार हर संभव सहयोग करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि 650वीं जयंती तक संत रविदास के आदर्शों और विचारों को जन-जन तक पहुंचाना हमारा संकल्प है, जो पूर्ववर्ती सरकारें नहीं कर सकीं।

हेमन्त कृष्णा

वाराणसी। वाराणसी में संत गुरु रविदास की 650वीं जयंती वर्ष के अवसर पर भाजपा ने बुधवार को काशी से 'समरसता संकल्प अभियान' का शुभारंभ किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

भदोही का नाम संत रविदास नगर करावाने की कारवाई को आगे बढ़ाएंगे - सीएम

सीएम योगी ने कहा- एक समय प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम पर बने मेडिकल कॉलेज का नाम बदल दिया था। हमारी सरकार ने कन्नौज में मेडिकल कॉलेज का नाम दोबारा बाबा साहब के नाम पर किया है। कि संत रविदास जी की जयंती तक भदोही को संत रविदास नगर के रूप में स्थापित करने की दिशा में सरकार कार्रवाई आगे बढ़ाएगी।

बांटने वालों के आदर्श बाबर और औरंगजेब होंगे - सीएम योगी

सीएम योगी ने कहा- संतों की बात वे लोग स्वीकार नहीं करेंगे, जो समाज को बांटने का काम करते हैं। समाज को बांटने वाले वही लोग हैं, जिनके आदर्श बाबर और औरंगजेब रहे हैं। ये लोग समाज को खाई-खाई में बांटकर आपस में लड़ाने का काम करते हैं।

संत रविदास के संदेश को गांव-गांव तक पहुंचाएं- सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामाजिक समरसता अभियान को गांव-गांव और घर-घर तक पहुंचाने का कार्य संकल्प के साथ किया जा रहा है। हर सच्चे भारतीय का दायित्व है उसे जमीनी स्तर पर उतारते हुए कर्म साधना के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण में अपना योगदान दें। समानता और मानवता का जो संदेश दिया।

विरोध : नुकीली लाठियां मारी गईं, भाजपा बोली- छात्रों के संसद मार्च में गोली नहीं चली

छात्रों पर दिल्ली में पैलेट गन चली : राहुल

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने बुधवार शाम को कहा, 'आज मुझे लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया। रिजिजू और राजनाथ सिंह जी को बोलने दिया गया। इसकी वजह है कि मैंने अमित शाह के बारे में कहा कि वह छात्रों पर हुई बर्बरता के लिए जिम्मेदार हैं। उन्हें इस्तीफा देना चाहिए।' राहुल ने कहा कि सदन में मुझसे कहा गया कि मैं माफी मांगूंगा, इसके बाद मुझे बोलने दिया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष के रूप में मेरा कर्तव्य है कि देश के मुद्दे उठाऊं। संसद से 500 मीटर तक देश के छात्रों को पीटा गया। छात्रों पर पैलेट गन चलाई गईं। एक छात्र की आंख की रोशनी चली गई।

"पात्रा ने बताया कि संसद मार्च में छात्रों पर गोली चलाई गई। इसका भाजपा खंडन करती है। राहुल ने कहा कि गोली चलाने का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया। ये भी झूठ है, क्योंकि गोली चली नहीं तो आदेश कहां से देंगे।

मैंने मेडिकल सर्टिफिकेट में यह देखा। छात्रों पर कील लगी लाठियां चलाई गईं। 'छात्रों के संसद मार्च में गोली चलने' के राहुल के बयान पर भाजपा ने शाम 4:30 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि राहुल ने लोकसभा में झूठ बोला है। राहुल ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर लोकसभा में 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया। स्पीकर ओम बिरला ने भी राहुल को 11 से ज्यादा बार टोका। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

पात्रा बोले- राहुल के दोनों जेबों में विक्टिम कार्ड रखा रहता है

पात्रा ने कहा- कांग्रेस नेताओं ने अपने भाषण में कहा कि ऑर्म्ड फोर्सेस ने लड़कियों के कपड़े फाड़े, ऐसा नहीं है। आज ऑर्म्ड फोर्सेस हैं इसलिए देश सुरक्षित है। आप सदन में आकर कहते हैं कि उन्होंने लड़कियों के कपड़े फाड़े तो यह बहुत दुखद है।

राहुल गांधी की प्रेस कॉन्फ्रेंस शुरू

राहुल ने कहा, 'आज मुझे लोकसभा में बोलने नहीं दिया गया। रिजिजू और राजनाथ सिंह जी को बोलने दिया गया लेकिन मुझे नहीं। क्यों कि मैंने अमित शाह के बारे में कहा कि वह छात्रों पर हुई बर्बरता के लिए जिम्मेदार हैं।'

" राहुल ने कहा, 'सदन में मुझसे कहा गया कि मैं माफी मांगूगा, इसके बाद मुझे बोलने दिया जाएगा। नेता प्रतिपक्ष के रूप में मेरा कर्तव्य है कि देश के मुद्दे उठाऊं। छात्रों पर पैलेट गन का चलाई गईं।

पीएम पर आपत्तिजनक पोस्ट हटाएं : दिल्ली पुलिस

पोस्ट करने वाले का नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी भी दें

तमसा संकेत, एजेंसी

■ **नीट पेपर लीक मामले में कॉकरोच जनता पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर 26 दिन प्रदर्शन किया था।**

नई दिल्ली। पीएम मोदी समेत संवैधानिक पदों पर बैठे लोगों के खिलाफ X पर कथित आपत्तिजनक और अभद्र टिप्पणियों को लेकर दिल्ली पुलिस ने बुधवार को पत्र लिखा। पुलिस ने प्लेटफॉर्म से संबंधित पोस्ट और वीडियो तत्काल हटाने, साथ ही उन्हें पोस्ट करने वाले अकाउंट होल्डर्स के नाम, पता, मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी जैसी जानकारी देने को कहा है। एक दिन पहले सरकार ने मेटा को मोदी का वीडियो फेसबुक पर सीमित करने के लिए नोटिस जारी किया था। हालांकि बाद में Meta ने दोबारा रीस्टोर कर दिया है। दिल्ली पुलिस ने अकाउंट के लॉगिन और लॉगआउट की जानकारी के साथ ही समय और तारीख का ब्योरा भी मांगा है। इसके अलावा, जांच में मदद करने वाली अन्य सभी जरूरी जानकारी भी उपलब्ध कराने को कहा गया है।

बसपा प्रमुख मायावती बोलीं- शिक्षा व्यवस्था में बड़े सुधार की जरूरत, मायावती ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा

'सिर्फ सख्त कानून से नहीं रुकेगा पेपर लीक'

कटाक्ष

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। संसद में पेपर लीक रोकने के लिए सख्त सजा का प्रावधान करने वाला विधेयक पारित होने के बाद बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि केवल नया कानून बना देने से पेपर लीक जैसी गंभीर समस्या का समाधान नहीं होगा। इसके लिए अपराध होने से पहले उसे रोकने की प्रभावी व्यवस्था और शिक्षा प्रणाली में व्यापक सुधार जरूरी हैं। मायावती ने कहा कि पेपर लीक के कारण लाखों छात्र-छात्राओं का भविष्य प्रभावित होता है और कई मामलों में युवा आत्महत्या जैसे कदम उठाने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे में संसद द्वारा सख्त सजा वाला कानून लाना स्वागतयोग्य है, लेकिन लोगों के मन में यह सवाल बना हुआ है कि क्या केवल इससे समस्या खत्म हो जाएगी? उनके मुताबिक, सरकार ने जल्दबाजी में कानून तो बना दिया, लेकिन रोकथाम के दूसरे जरूरी उपायों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया। उन्होंने कहा कि नया कानून पेपर लीक होने के बाद दोषियों को सजा देने की बात करता है, जबकि सबसे महत्वपूर्ण यह है कि ऐसी घटनाएं होने ही न पाएं। उनका दावा था कि पहले भी बने कानून प्रभावी साबित नहीं हुए, जिससे स्पष्ट है कि केवल सजा का प्रावधान पर्याप्त नहीं है। उन्होंने संसद में हुई बहस पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि पेपर लीक जैसे गंभीर मुद्दे पर भी अधिकांश राजनीतिक दल दलगत राजनीति से ऊपर नहीं उठ सके। चर्चा के दौरान समस्या के समाधान की बजाय आरोप-प्रत्यारोप अधिक देखने को मिले। ऐसे में लोगों के मन में यह आशंका स्वाभाविक है कि नया कानून कितना प्रभावी साबित होगा।

शैक्षिक सुधारों पर गंभीरता से काम करने की जरूरत

बसपा प्रमुख ने केंद्र सरकार से अपील की कि कानून के साथ-साथ पेपर लीक की रोकथाम के लिए ठोस प्रशासनिक और शैक्षिक सुधारों पर भी गंभीरता से काम किया जाए। उनका कहना था कि तभी देश के करोड़ों युवाओं का भविष्य सुरक्षित हो सकेगा और शिक्षा व्यवस्था पर लोगों का भरोसा मजबूत होगा।

शिक्षा के समान अवसर मिलने चाहिए

बसपा प्रमुख ने शिक्षा व्यवस्था में व्यापक बदलाव की जरूरत बताई। कहा कि सरकारी स्कूलों की गुणवत्ता में सुधार, गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के लिए बेहतर शैक्षिक अवसर मिलने चाहिए। शिक्षा के लिए मिलने वाले ऋण को अधिक सुलभ और कल्याणकारी बनाना समय की मांग है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के संविधान का उद्देश्य सभी वर्गों को समान अवसर देना था, लेकिन वर्तमान व्यवस्था में इसका अभाव दिखाई देता है।

> मायावती ने कहा कि संपन्न परिवारों के बच्चे आर्थिक संसाधनों के बल पर बेहतर शिक्षा हासिल कर लेते हैं, जबकि करोड़ों गरीब परिवारों के होनहार बच्चे अवसरों के अभाव में पीछे रह जाते हैं। उनके अनुसार, पेपर लीक शिक्षा व्यवस्था की खामियों का सिर्फ एक उदाहरण है, जबकि इसकी जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं।

पूर्व मंत्री की अंतिम यात्रा शुरू होते ही पत्नी बेहोश

भाई ने विधायक के केयरटेकर पर लगाया हत्या का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महामंत्री और पूर्व राज्यमंत्री (दर्जा प्राप्त) नानकदीन भुर्जी की मौत मामले में नया मोड़ आ गया है। उनके छोटे भाई ने बलिया के बेल्थरा रोड विधायक हंसूराम के केयरटेकर मुहम्मद आरिफ पर हत्या का आरोप लगाते हुए हजरतगंज कोतवाली में तहरीर दी है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि अब तक की जांच और मौके से मिले साक्ष्य आत्महत्या की ओर इशारा कर रहे हैं। मामले में दोनों पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच जारी है। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को भैंसाकुंड पर हुआ।

मदेयगंज के खदरा स्थित आवास से बुधवार सुबह उनकी अंतिम यात्रा शुरू हुई। इस दौरान उनकी पत्नी मंजू देवी बेहोश हो गईं। महिलाओं ने उन्हें संभाला। दरअसल, नानकदीन भुर्जी की 28 जुलाई, मंगलवार को दारुलशफा स्थित नए विधायक निवास की सातवीं मंजिल से गिरकर मौत हो गई थी। पुलिस के मुताबिक, मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे नानकदीन भुर्जी बेल्थरा रोड से भाजपा विधायक हंसूराम के नए विधायक निवास स्थित आवास पहुंचे थे। उस समय विधायक मौजूद नहीं थे। नानकदीन ने वहां मौजूद हेल्पर से कॉफी लाने के लिए कहा और कमरे में बैठ गए। पुलिस के अनुसार, हेल्पर जब कॉफी लेकर वापस लौटा तो नानकदीन कमरे में नहीं थे। इसी दौरान बाहर शोर-शराबा सुनाई दिया। लोग नीचे पहुंचे तो नानकदीन भुर्जी गंभीर हालत में जमीन पर पड़े मिले।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में घर में घुसकर बदमाशों ने मोबाइल चुराए

लखनऊ । गुडंबा में बाइक सवार बदमाश घर में घुसकर चार मोबाइल फोन लूट ले गए। घटना 27 जुलाई की सुबह करीब 6:30 बजे की है। दो युवक बाइक से घर के बाहर पहुंचे। इनमें से एक युवक घर के अंदर घुसा और चार मोबाइल लेकर फरार हो गया, जबकि उसका साथी बाहर बाइक पर इंतजार करता रहा। पूरी घटना मोहल्ले में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

सारनाथ वाराणसी में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

लखनऊ। अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश तथा महाबोधि सोसाइटी ऑफ इण्डिया-सारनाथ के संयुक्त तत्वावधान में 29-30 जुलाई, 2026 को 09:30 बजे पूर्वाह्न से मूलगंध कुटी विहार, सारनाथ वाराणसी में दो दिवसीय ''धम्मचक्क पवत्तन दिवस का महत्व'' विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह तथा अध्यक्षता वेन आर. सुमित्थानन्द थेरो प्रभारी महाबोधि सोसाइटी ऑफ इण्डिया, सारनाथ वाराणसी करेंगे।

17 साल की लड़की से इंस्टाग्राम पर दोस्ती कर ठगी

लखनऊ। लखनऊ में इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती एक नाबालिग लड़की के लिए मुसीबत बन गई। आरोप है कि युवक ने पहले भरोसा जीतकर उसकी निजी तस्वीरें अपने पास सेव कर लीं, फिर उन्हें वायरल करने की धमकी देकर करीब 60 हजार नकद और 36 ग्राम सोने के गहने ऐंठ लिए। मामले में पीड़िता के पिता की तहरीर पर हसनगंज थाने में शिकायत दी गई है।

भारत का अगला एआई हब बनाने का रोडमैप किया तैयार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। भारतीय उद्योग परिसंघ (CII) द्वारा आज लखनऊ में 'यूपी एआई टेक समिट 2026' का सफल आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य उत्तर प्रदेश को भारत के प्रमुख आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) हब के रूप में स्थापित करने की रूपरेखा तैयार करना रहा। इसमें उद्योग जगत के दिग्गजों और नीति निर्माताओं ने आर्थिक विकास और जनकल्याण के लिए एआई के उपयोग पर मंथन किया।

आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री सुनील कुमार शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने यूपी के द्वार सभी के लिए खोल दिए हैं। सरकार पॉलिसी इनोवेशन के लिए पूरी तरह तैयार है। हमारी स्टार्टअप पॉलिसी अब एग्री-टेक पर फोकस कर रही है, क्योंकि कृषि अर्थव्यवस्था का आधार है। एआई का उपयोग फसल उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए होना चाहिए, साथ ही इसके दुरुपयोग से सतर्क रहना भी जरूरी है। प्रमुख सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स आलोक कुमार ने कहा कि 24 करोड़ की आबादी जो कभी चुनौती थी, अब एआई कंपनियों के लिए अपने मॉडल को ट्रेन करने का बड़ा डेटा पॉइंट है। यूपी निश्चित रूप से टैलेंट हब है और सरकार वैश्विक स्तर पर नेतृत्व कर रहे यूपी के प्रतिभाशाली लोगों का डेटाबेस तैयार कर उन्हें प्रदेश की विकास गाथा से जोड़ रही है। उन्होंने इनमोबी को स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए अनुकरणीय मॉडल बताया।

सम्मेलन में इनमोबी की ग्लोबल एसवीपी और मुख्यमंत्री के डिजिटल इकॉनमी वर्किंग ग्रुप की सदस्य डॉ. सुबी चतुर्वेदी ने कहा कि नवीन तिवारी द्वारा इनमोबी को भारत का पहला यूनिकॉर्न बनाना यह दर्शाता है कि भारतीय कंपनियां वैश्विक स्तर पर नेतृत्व कर सकती हैं। उनका विजन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन से मेल खाता है।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व पटल पर नई प्रतिष्ठा प्राप्त कर रही भारत की बौद्ध धरोहर

भगवान बुद्ध के करुणा, अहिंसा और शांति के संदेश आज भी मानवता के लिए पथप्रदर्शक

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ/वाराणसी। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने सारनाथ, वाराणसी में आषाढ़ पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भगवान बुद्ध के करुणा, अहिंसा, शांति और मानव कल्याण के संदेश आज भी सम्पूर्ण विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। वैश्विक अस्थिरता, संघर्ष और सामाजिक चुनौतियों के वर्तमान दौर में भगवान बुद्ध के कालातीत विचार मानवता को शांति, सद्भाव और सह-अस्तित्व का मार्ग दिखा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सारनाथ वह पवित्र भूमि है, जहां भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्ति के उपरांत अपना प्रथम उपदेश देकर धम्मचक्र प्रवर्तन किया था। यहीं से करुणा, सत्य, अहिंसा, मैत्री और मानव कल्याण का संदेश विश्व के विभिन्न देशों तक पहुंचा। सारनाथ आज भी विश्वभर के बौद्ध अनुयायियों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आस्था, ज्ञान एवं शांति का प्रमुख केंद्र है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को वैश्विक मंच पर नई पहचान मिल रही है। भारत विश्व समुदाय के साथ अपने प्राचीन ज्ञान, संस्कृति और जीवन मूल्यों को साझा करते हुए शांति एवं मानव कल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। भगवान बुद्ध से जुड़े पवित्र स्थलों के संरक्षण, संवर्धन और विकास के लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आषाढ़ पूर्णिमा का पावन पर्व भगवान बुद्ध के महान संदेशों को स्मरण करने तथा उन्हें अपने जीवन में आत्मसात करने का अवसर प्रदान करता है।

> सारनाथ का यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल होना भारत की सांस्कृतिक विरासत का ऐतिहासिक वैश्विक सम्मान

> मौर्य ने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाएं किसी एक देश, समाज अथवा समुदाय तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे सम्पूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती हैं। भगवान बुद्ध ने मानव जीवन में करुणा, सदाचार, संयम, सहिष्णुता और परस्पर सम्मान को सर्वोच्च महत्व दिया।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी एवं कुशल नेतृत्व में भारत भगवान बुद्ध की करुणा, अहिंसा और शांति की अमर धरोहर को विश्वभर में नई ऊर्जा और नई प्रतिष्ठा के साथ स्थापित कर रहा है। भारत आज अपनी प्राचीन सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को विश्व समुदाय के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत करते हुए 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना को साकार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की प्रथम धम्मदेशना-स्थली सारनाथ का यूनेस्को की 'विश्व धरोहर सूची' में शामिल होना भारत की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत को प्राप्त एक ऐतिहासिक वैश्विक सम्मान है। यह उपलब्धि न केवल भारत की प्राचीन सभ्यता, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना के वैश्विक महत्व को रेखांकित करती है, बल्कि सारनाथ की ऐतिहासिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाइयां प्रदान करती है।

मोदी और योगी सरकार के प्रयासों से प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं, किसानों को समय पर मिल रहे खाद और बीज : सूर्य प्रताप

किसानों को समय से उपलब्ध कराए जा रहे हैं बीज, सिंचाई और कृषि यंत्र

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने बुधवार को लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने खरीफ सीजन के दौरान किसानों को समय पर बीज, उर्वरक और सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए व्यापक व्यवस्था की है। वैश्विक परिस्थितियों, कम वर्षा तथा अंतरराष्ट्रीय आपूर्ति संबंधी चुनौतियों के बावजूद प्रदेश में उर्वरकों की कोई कमी नहीं है और किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जा रही है। मंत्री शाही ने बताया कि वर्ष 2026 में खरीफ फसलों के लिए लगभग 107 लाख हेक्टेयर क्षेत्रफल का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसके सापेक्ष अब तक लगभग 95 प्रतिशत आच्छादन पूरा हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष सामान्य से लगभग 25 प्रतिशत कम वर्षा होने के बावजूद कृषि विभाग, सिंचाई विभाग तथा कृषि विज्ञान केंद्रों के समन्वित प्रयासों से किसानों को किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होने दी गई। उन्होंने बताया कि खरीफ सीजन में प्रदेश के किसानों को 50 प्रतिशत अनुदान पर 1,73,641 क्विंटल प्रमाणित बीज उपलब्ध कराया गया है। साथ ही दलहन, तिलहन, बाजरा एवं सावा जैसी फसलों के 16,449 क्विंटल निःशुल्क मिनीकिट लगभग 6.13 लाख किसानों को वितरित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 1,23,379 क्विंटल बीज अनुदान पर किसानों को उपलब्ध कराया गया है। प्रदेश में दलहन, मूंगफली, सोयाबीन एवं तिलहन की खेती के विस्तार पर विशेष बल दिया गया है। उन्होंने कहा कि जिन क्षेत्रों में वर्षा सामान्य से काफी कम हुई है, वहां किसानों को राहत देने के लिए तोरिया बीज मिनीकिट योजना शुरू की गई है।

खरीफ आच्छादन लक्ष्य का 95 प्रतिशत पूरा, 57.70 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध

28.88 लाख मीट्रिक टन किसानों को वितरित किया जा चुका

उर्वरक उपलब्धता पर विस्तार से जानकारी देते हुए शाही ने कहा कि 1 अप्रैल से 28 जुलाई 2026 के बीच प्रदेश को 57.70 लाख मीट्रिक टन उर्वरक प्राप्त हुआ, जिसमें से 28.88 लाख मीट्रिक टन किसानों को वितरित किया जा चुका है तथा 28.82 लाख मीट्रिक टन उर्वरक अभी भी उपलब्ध है। उपलब्ध स्टॉक में लगभग 14.52 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 4.81 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 4.91 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 3.47 लाख मीट्रिक टन एसएसपी तथा 1.11 लाख मीट्रिक टन एमओपी शामिल है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसानों को घबराने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि प्रदेश में उर्वरकों का पर्याप्त भंडार उपलब्ध है।

> कृषि मंत्री ने बताया कि कृषि यंत्रीकरण को बढ़ावा देने के लिए कृषि यंत्रों की ऑनलाइन बुकिंग भी प्रारंभ कर दी गई है। फार्म मशीन बैंक, कस्टम हायरिंग सेंटर तथा कृषि यंत्रों पर किसानों को 40 प्रतिशत से 80 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है। इस वर्ष 25,900 कृषि यंत्र किसानों को उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है और अब तक 41 हजार से अधिक किसानों ने ऑनलाइन बुकिंग कराई है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में लाल गुलवीर सिंह ने 10,000 मीटर में जीता रजत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) एवं अतरौली विधायक संदीप सिंह ने अलीगढ़ जनपद के ब्लॉक बिजौली स्थित कंपोजिट उच्च प्राथमिक विद्यालय, सिरसा के पूर्व छात्र गुलवीर सिंह द्वारा कॉमनवेल्थ गेम्स की 10,000 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने पर हार्दिक बधाई दी है।

संदीप सिंह ने कहा कि गुलवीर सिंह की यह उपलब्धि केवल अलीगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण से अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का तिरंगा गौरवान्वित किया है। उनकी सफलता प्रदेश के लाखों विद्यार्थियों और युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने, खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा उनकी प्रतिभा निखारने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। प्रदेश में खेल अवसंरचना के विस्तार, प्रशिक्षण सुविधाओं के विकास और खिलाड़ियों के सम्मान व प्रोत्साहन के लिए प्रभावी नीतियां लागू की गई हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखने को मिल रहे हैं।

संचालन : कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों की निकटवर्ती विद्यालयों से पेयरिंग

प्रदेश में 1.32 लाख से अधिक परिषदीय विद्यालय संचालित

> 2017 के बाद शिक्षा बजट 28 हजार करोड़ से बढ़कर 1.13 लाख करोड़, नामांकन बढ़ा और ड्रॉपआउट घटकर तीन प्रतिशत हुआ

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत 1 लाख 32 हजार से अधिक परिषदीय विद्यालय संचालित हैं और इनमें से किसी भी सरकारी विद्यालय को बंद नहीं किया गया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों के विद्यार्थियों का निकटवर्ती विद्यालयों से पेयरिंग किया जा रहा है, ताकि उन्हें बेहतर शैक्षणिक वातावरण, पर्याप्त शिक्षक, संसाधन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध कराया जा सके। जिन विद्यालयों के भवन इस प्रक्रिया के बाद रिक्त हुए हैं, वहां प्री प्राइमरी शिक्षा के तहत बाल वाटिकाओं का संचालन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रारंभिक बाल शिक्षा को मजबूत करना है, न कि विद्यालयों को बंद करना। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा किसी भी परिषदीय विद्यालय को बंद नहीं किया है। कम छात्र संख्या वाले विद्यालयों का निकटवर्ती विद्यालयों के साथ पेयरिंग किया गया है, ताकि बच्चों को बेहतर शैक्षिक वातावरण, पर्याप्त संसाधन और गुणवत्तापूर्ण शिक्षण उपलब्ध हो सके। इस प्रक्रिया से रिक्त होने वाले विद्यालयों में पहली बार प्री प्राइमरी कक्षाओं और बाल वाटिकाओं का संचालन किया जा रहा है, जिससे प्रारंभिक बाल शिक्षा को और मजबूती मिलेगी।

शैक्षिक संसाधनों के प्रभावी उपयोग की नई व्यवस्था

2017 के बाद प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुए

वर्ष 2017 के बाद प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। शिक्षा के बजट को लगभग 28 हजार करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1.13 लाख करोड़ रुपये से अधिक किया गया है। इसके साथ ही सरकारी विद्यालयों में नामांकन भी लगभग 1.34 करोड़ से बढ़कर करीब 1.90 करोड़ तक पहुंचा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, बेहतर संसाधनों और प्रभावी शैक्षणिक योजनाओं के कारण विद्यालयों के प्रति अभिभावकों का भरोसा भी मजबूत हुआ है।

19 प्रतिशत से घटाकर तीन प्रतिशत तक लाया गया

विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर को लगभग 19 प्रतिशत से घटाकर तीन प्रतिशत तक लाया गया है। बच्चों की सीखने की क्षमता, पाठ्यक्रम, शिक्षण पद्धति और शैक्षणिक गतिविधियों को लगातार सुदृढ़ किया गया है। साथ ही ऑपरेशन कायाकल्प के तहत परिषदीय विद्यालयों में 19 आधारभूत मानकों पर व्यापक कार्य हुआ है। वर्ष 2017 में इन मानकों पर प्रगति लगभग 36 प्रतिशत थी, जिसे अब बढ़ाकर 97 प्रतिशत तक पहुंचाया जा चुका है। इससे विद्यालयों का वातावरण अधिक सुरक्षित, आकर्षक और सुविधायुक्त बना है।

प्रत्येक बच्चे को न्याय तक पहुंच सुनिश्चित करना हमारा दायित्व

यह योजना प्रत्येक 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे के लिए : जीवक कुमार सिंह

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा लागू रचाइल्ड-फ्रेंडली लीगल सर्विसेज फॉर चिल्ड्रेन स्कीम, 2024₹ का उद्देश्य प्रत्येक बच्चे को निःशुल्क, सुलभ, सुरक्षित एवं बाल-अनुकूल विधिक सहायता उपलब्ध कराना है, ताकि कोई भी बच्चा अपने अधिकारों से वंचित न रहे। इस संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के प्रभारी सचिव श्री जीवक कुमार सिंह ने बताया कि यह योजना प्रत्येक 18 वर्ष से कम आयु के बच्चे के लिए है। इसके अंतर्गत विधि के उल्लंघन का आरोप झेल रहे बालक, देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चे, बाल श्रम, मानव तस्करी, दुर्व्यवहार, लैंगिक हिंसा, बाल विवाह, दिव्यांग, अनाथ, परित्यक्त, गुमशुदा तथा अन्य कमजोर एवं संवेदनशील परिस्थितियों में रह रहे बच्चों को निःशुल्क विधिक सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने कहा कि योजना के तहत प्रशिक्षित पैनल अधिवक्ताओं, लीगल एड डिफेंस काउंसिल (LADC), पैरा-लीगल वॉलंटियर्स (PLVs) तथा अन्य प्रशिक्षित विधिक कर्मियों के माध्यम से बच्चों को न्यायालयीन कार्यवाही के प्रत्येक चरण में सहायता उपलब्ध कराई जाती है। साथ ही परामर्श, पुनर्वास, मुआवजा, सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने तथा आवश्यकतानुसार विभिन्न विभागों से समन्वय स्थापित करने की व्यवस्था भी की गई है।

श्री जीवक कुमार सिंह ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, तालुका विधिक सेवा समितियों, फ्रंट ऑफिस, पुलिस थानों, बाल न्याय बोर्ड (JJB), बाल कल्याण समिति (CWC), बाल देखरेख संस्थाओं, जिला बाल संरक्षण इकाई (DCPU), वन स्टॉप सेंटर तथा अन्य संबंधित संस्थाओं के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि प्रत्येक पात्र बच्चे को समयबद्ध एवं प्रभावी विधिक सहायता प्राप्त हो।

2 लाइसेंस निलंबित, 1 को नोटिस, किसानों की शिकायत पर डीएओ की कार्रवाई

खाद की दुकानों पर छापा

अभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में किसानों को समय पर और निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए कृषि विभाग ने कालाबाजारी के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। बुधवार दोपहर जिला कृषि अधिकारी शशांक ने बिछिया क्षेत्र की कई खाद दुकानों का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान तीन उर्वरक विक्रेता प्रतिष्ठान बंद मिले। अनियमितता और किसानों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए दो दुकानों के उर्वरक लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए, जबकि एक प्रतिष्ठान को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। निरीक्षण के दौरान जिला कृषि अधिकारी ने सभी उर्वरक

विक्रेताओं को निर्देशित किया कि किसानों को उनकी फार्मर रजिस्ट्री और दर्ज जोत के अनुसार ही उर्वरकों का वितरण किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि सभी विक्रेता अपने स्टॉक रजिस्टर और वितरण रजिस्टर नियमित रूप से अद्यतन रखें। साथ ही उर्वरकों का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें और निर्धारित मात्रा से अधिक खाद का वितरण किसी भी स्थिति में न करें।

नियमों का उल्लंघन करने वालों पर होगी सख्त कार्रवाई

जिला कृषि अधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि किसी भी विक्रेता के यहां उर्वरक वितरण में अनियमितता, कालाबाजारी, अधिक मूल्य वसूली या उर्वरक नियंत्रण अधिनियम के नियमों का उल्लंघन पाया गया तो संबंधित विक्रेता के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नियमों के पालन की पूरी जिम्मेदारी संबंधित विक्रेता की होगी।

निरीक्षण में तीन दुकानें मिलीं बंद

औचक निरीक्षण के दौरान जमुका स्थित शुक्ला खाद भंडार बंद मिला। दुकान बंद मिलने पर संचालक को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया।इसके अलावा तारगांव स्थित नेहा खाद भंडार और शिव प्रसाद खाद भंडार भी बंद पाए गए। मौके पर मौजूद किसानों ने इन दोनों दुकानों के संचालन और खाद वितरण को लेकर शिकायतें दर्ज कराईं। शिकायतों की पुष्टि के बाद जिला कृषि अधिकारी ने दोनों उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के आदेश दिए।

किसानों से की सहयोग की अपील

जिला कृषि अधिकारी ने किसानों से अपील की कि वे केवल अपनी फार्मर रजिस्ट्री या खतौनी के आधार पर ही निर्धारित मात्रा में उर्वरक खरीदें। यदि किसी दुकान पर अधिक कीमत वसूली जाती है, खाद की कालाबाजारी की जाती है या किसी अन्य प्रकार की अनिय-मितता सामने आती है तो इसकी सूचना तत्काल कृषि विभाग को दें। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा और उर्वरकों की पारदर्शी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए जिलेभर में ऐसे औचक निरीक्षण आगे भी लगातार जारी रहेंगे।

जिले में खाद का पर्याप्त भंडार उपलब्ध

कृषि विभाग ने किसानों को आश्वस्त किया कि जिले में फिलहाल उर्वरकों की कोई कमी नहीं है। वर्तमान में जिले में 29,108 मीट्रिक टन यूरिया, 8,385 मीट्रिक टन डीएपी और 6,574 मीट्रिक टन एनपीके का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। इन उर्वरकों का वितरण सहकारी समितियों और अधिकृत निजी उर्वरक विक्रेताओं के माध्यम से लगातार कराया जा रहा है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

हरदोई में युवक की संदिग्ध हालत में मौत

पत्नी बगल में सोती रही, पुलिस जांच में जुटी

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई जिले के हरपा-लपुर थाना क्षेत्र के लमकन गांव में बुधवार की सुबह करीब 7:30 बजे एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके कमरे में मिला है। मृतक की उम्र 28 वर्ष बताई जा रही है। युवक का शव बिस्तर पर पड़ा रहा और उसकी पत्नी बगल में सोती रही, जिसे घटना की भनक तक नहीं लगी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान लमकन गांव निवासी अवधेश के बड़े बेटे पिंटू कुमार (28) के रूप में हुई है, जो खेती-बाड़ी का काम करता था। पिंटू का विवाह वर्ष 2021 में बिलग्राम कोतवाली क्षेत्र के कोई गांव निवासी यशोदा से हुआ था। उनकी तीन साल की एक बेटी प्रिया भी है। मंगलवार रात पिंटू ने अपने परिवार के साथ खाना खाया और पत्नी व बेटी के साथ सोने के लिए अपने कमरे में चला गया। बुधवार सुबह जब परिवार के अन्य सदस्य जागे, तो पिंटू कमरे से बाहर नहीं आया। उसका छोटा भाई आकाश कमरे में गया, जहां उसने पिंटू को बिस्तर पर मृत पाया। इस घटना से परिवार में हड़कंप मच गया। पति का शव एक ही कमरे और एक ही बिस्तर पर होने के बावजूद पत्नी को इसकी जानकारी न होने से सभी लोग हैरान हैं।

फास्ट न्यूज

उन्नाव में गंगा का जलस्तर 3 सेमी बढ़ा

उन्नाव। उन्नाव में पश्चिमी बांधों से लगातार छोड़े जा रहे पानी और ऊपरी क्षेत्रों में हो रही बारिश के चलते गंगा का जलस्तर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। पिछले करीब 27 घंटे में जलस्तर में 3 सेंटीमीटर की वृद्धि दर्ज की गई है। बढ़ते जलस्तर के कारण गंगा का पानी शुक्लागंज के प्रमुख घाटों तक पहुंच गया है और तटीय इलाकों की ओर फैलने लगा है। हालांकि फिलहाल जलस्तर चेतावनी बिंदु से नीचे है, लेकिन प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है।

रोडवेज से उतरते ही बस ने मजदूर को कुचला

हरदोई। हरदोई के हरपालपुर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह 8:15 बजे सड़क हादसे में 36 साल के मजदूर की मौत हो गई। नोएडा से आषाढ़ी पूजा में शामिल होने घर लौट रहे मजदूर को रोडवेज बस से उतरते ही उसी बस ने कुचल दिया। गंभीर रूप से घायल मजदूर को मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सांडी थाना क्षेत्र के चिल्हौर गांव निवासी अनंतराम के रूप में हुई है। वह नोएडा की एक लोहे के पाइप बनाने वाली कंपनी में काम करते थे। मंगलवार देर शाम वह आषाढ़ी पूजा में शामिल होने के लिए घर के लिए रवाना हुए थे।

महिला ने खाया जहरीला पदार्थ, मौत

उन्नाव। उन्नाव के दही थाना क्षेत्र के शिव नगर मोहल्ले में एक 36 वर्षीय महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतका की पहचान गुड़िया पत्नी राम किशोर के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, गुड़िया की शादी करीब 20 साल पहले राम किशोर से हुई थी।

मॉडल गौशालाओं में बढ़ाएं सुविधाएं : नेहा ब्याडवाल

गोबर से उत्पाद बनाकर बनाएं आत्मनिर्भर, बेहतर काम करने वाले 4 केयरटेकर सम्मानित

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई के विकास भवन सभागार में बुधवार दोपहर 3 बजे को मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) नेहा ब्याडवाल की अध्यक्षता में निराश्रित गोवंश संरक्षण योजना की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मॉडल गौशालाओं, नंदी गौशालाओं, सीसीटीवी निगरानी, हरे चारे के उत्पादन और कम गोवंश संख्या वाले आश्रय स्थलों की प्रगति की समीक्षा की गई। सीडीओ ने गौशालाओं के संचालन को अधिक व्यवस्थित, सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाने के निर्देश दिए। सीडीओ ने निर्देश दिए कि प्रत्येक विकास खंड की चयनित मॉडल गौशालाओं में भूसा घर, केयरटेकर कक्ष और अन्य आवश्यक आधारभूत सुविधाओं का प्राथमिकता के आधार पर विकास कराया जाए। उन्होंने कहा कि बेहतर व्यवस्थाओं से गोवंशों की देखभाल और संचालन व्यवस्था मजबूत होगी। बैठक में सभी आश्रय स्थलों पर नर, मादा, बछड़ों और बीमार गोवंशों के लिए अलग-अलग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही नंदी गौशालाओं में नर गोवंशों की शीघ्र शिफ्टिंग, सभी सीसीटीवी कैमरों को 24 घंटे संचालित रखने तथा सुरक्षा व्यवस्था को प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। सीडीओ ने चारागाह भूमि का विस्तार कर पर्याप्त मात्रा में हरे चारे की बुवाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से गोबर से गो-काष्ठ, दीपक और अन्य उत्पाद तैयार कर गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने पर भी बल दिया। उनका कहना था कि इससे गौशालाओं की आय बढ़ेगी और उनका संचालन अधिक प्रभावी होगा।

साइबर सुरक्षा कार्यशाला आयोजित

छात्रों को ऑनलाइन ठगी से बचाव के उपाय बताए गए

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव में बुधवार दोपहर को एसपी जयप्रकाश सिंह के निर्देशन में किंगसन इंटर कॉलेज में साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों और विद्यालय स्टाफ को बढ़ते साइबर अपराधों, सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग तथा महिला सुरक्षा के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम में क्षेत्राधिकारी नगर विनी सिंह, थाना साइबर पुलिस टीम और सदर कोतवाली की साइबर हेल्पडेस्क टीम मौजूद रही। अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि वर्तमान समय में ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट और फिशिंग जैसे साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है। कार्यशाला के दौरान आरक्षी शमसुद्दीन ने विद्यार्थियों को साइबर अरेस्ट जैसे नए साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यदि कोई व्यक्ति खुद को पुलिस, सीबीआई, ईडी या किसी सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो कॉल या फोन के माध्यम से डराने-धमकाने का प्रयास करे और पैसे की मांग करे, तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को देनी चाहिए। उन्होंने सोशल मीडिया का जिम्मेदारी और सावधानी से उपयोग करने की भी सलाह दी। सदर कोतवाली की साइबर एक्सपर्ट सोनिया शर्मा ने संदिग्ध एपीके फाइलों, अनजान लिंक और फर्जी मोबाइल एप्लीकेशन से होने वाले खतरों के बारे में विद्यार्थियों को जागरूक किया।

इस कार्यशाला में साइबर पुलिस टीम ने आधुनिक साइबर अपराधों से बचाव के व्यावहारिक तरीके बताए और शॉर्ट फिल्मों के माध्यम से भी महत्वपूर्ण जानकारी साझा की।

रास्ता न मिलने से नाराज युवक ने शुरू किया अनशन

बाराबंकी में 16 साल से रास्ते की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी के रामनगर विकासखंड की ग्राम पंचायत मलौली में रास्ते की समस्या को लेकर एक युवक ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। गांव निवासी ललित बाजपेई ने अपने घर के सामने अनिश्चितकालीन धरना और आमरण अनशन शुरू कर दिया है। उनका आरोप है कि पिछले 16 वर्षों से यह समस्या बनी हुई है, लेकिन बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं हो सका। ललित बाजपेई का आरोप है कि उनके घर तक आने-जाने के लिए उचित रास्ता नहीं है। इससे उन्हें और उनके परिवार को दैनिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर पूर्व में भी कई बार प्रदर्शन किए गए थे। उस समय प्रशासनिक अधिकारियों ने जल्द समाधान का आश्वासन देकर धरना समाप्त करा दिया था, लेकिन स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया। ललित के अनुसार, उन्होंने तहसील और विकासखंड कार्यालय में कई बार प्रार्थना पत्र दिए, लेकिन उनकी शिकायतों पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। लगातार उपेक्षा से निराश होकर उन्होंने अब आमरण अनशन का मार्ग चुना है। अनशन पर बैठे युवक ने प्रशासन से मामले का तत्काल निस्तारण कर रास्ते की समस्या का स्थायी समाधान कराने की मांग की है। उनका कहना है कि जब तक रास्ता उपलब्ध नहीं कराया जाएगा, तब तक उनका धरना और आमरण अनशन जारी रहेगा।

उन्नाव की गौशाला में अव्यवस्थाओं का खुलासा

निरीक्षण में मिले मृत गौवंश, शासन को भेजी जाएगी रिपोर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव जिले की एक गौशाला में गौवंशों की मौत और बदहाल व्यवस्थाओं का मामला सामने आने के बाद पशुपालन विभाग हरकत में आ गया। बुधवार सुबह मुख्य पशु चिकित्साधिकारी (सीवीओ) डॉ. विनोद कुमार ने गौशाला का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान चारा-पानी की व्यवस्था में गंभीर खामियां सामने आईं, जबकि परिसर में मृत गौवंश भी मिले। मामले को गंभीर मानते हुए सीवीओ ने शासन को विस्तृत रिपोर्ट भेजने की बात कही है। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. विनोद कुमार ने निरीक्षण के दौरान बताया कि उन्हें मौके पर तीन से चार मृत गौवंश दिखाई दिए। उन्होंने माना कि गौशाला में व्यवस्थाएं संतोषजनक नहीं मिलीं और कई आवश्यक निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

एनजीओ के संचालन पर भी उठे सवाल

ग्रामीणों के अनुसार वर्तमान में गौशाला का संचालन एक बाहरी एनजीओ द्वारा किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान सामने आई अव्यवस्थाओं पर सीवीओ ने नाराजगी जताई और कहा कि पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाएगी, ताकि दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

ग्रामीणों ने लगाए गंभीर आरोप

गौशाला की स्थिति को लेकर ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि परिसर में 10 से 15 गौवंशों के शव पड़े हुए हैं, जिनसे तेज दुर्गंध फैल रही है। इससे आसपास रहने वाले लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है और स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ रहे हैं।

पशुपालन विभाग का कहना है कि गौवंशों की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी और आवश्यकतानुसार प्रशासनिक कार्रवाई भी की जाएगी। इससे गौशालाओं में पशुओं की बेहतर देखभाल और व्यवस्थाओं को सुधारने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा सकेंगे।

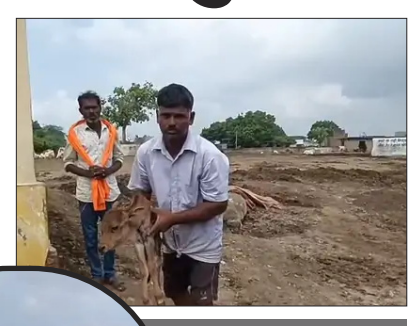

चारा-पानी की व्यवस्था भी मिली बदहाल

निरीक्षण के दौरान गौवंशों के लिए चारा-पानी की व्यवस्था भी बेहद खराब मिली। गौशाला की नांदें खाली थीं और भूसे की जगह मक्के के बड़े-बड़े टुकड़े डाले गए थे, जिन्हें तत्काल हटाने के निर्देश दिए गए। सीवीओ ने बताया कि प्रत्येक गौवंश को प्रतिदिन चार से पांच किलोग्राम भूसा, चार से पांच किलोग्राम हरा चारा और लगभग आधा किलोग्राम पशु आहार उपलब्ध कराया जाना चाहिए, लेकिन निरीक्षण में यह व्यवस्था पूरी तरह नदारद मिली।

वारदात : रोने की आवाज सुनकर महिला ने बचाया, पुलिस ने अस्पताल में कराया भर्ती

खेत में बैग के अंदर मिली नवजात बच्ची

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सफीपुर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार सुबह इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई। यहां खेत में पड़े एक बैग के अंदर लावारिस हालत में नवजात बच्ची मिली। खेत की ओर गई एक महिला ने रोने की आवाज सुनकर बैग खोला तो उसमें जीवित बच्ची को देखकर सन्न रह गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने नवजात को अपने संरक्षण में लेकर पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) सफीपुर और फिर बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। घटना सफियापुर गांव की है। गांव निवासी राधिका बुधवार सुबह करीब आठ बजे खेत की ओर गई थीं। इसी दौरान उन्हें किसी बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। पहले तो उन्होंने आसपास देखा, लेकिन जब आवाज लगातार आती रही तो वह उसकी दिशा में पहुंचीं। वहां खेत में एक बैग पड़ा था। बैग खोलकर देखा तो उसके अंदर एक नवजात बच्ची जीवित अवस्था में मिली। नवजात को देखकर राधिका घबरा गईं और शोर मचाकर आसपास के लोगों को बुलाया। कुछ ही देर में बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही सफीपुर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और बच्ची को सुरक्षित अपने कब्जे में लेकर इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। सीएचसी में चिकित्सकों ने नवजात का प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण किया। डॉक्टरों के अनुसार बच्ची पूरी तरह स्वस्थ है, लेकिन नवजात होने के कारण बेहतर देखभाल और चिकित्सकीय निगरानी के लिए उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फिलहाल जिला अस्पताल में उसकी निगरानी और उपचार जारी है। घटना के बाद पूरे इलाके में तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। ग्रामीणों का अनुमान है कि सामाजिक बदनामी या किसी अन्य कारण से जन्म के तुरंत बाद बच्ची को बैग में रखकर खेत में छोड़ दिया गया होगा। लोगों ने इस अमानवीय कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज और अन्य संभावित साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि नवजात को खेत में कौन छोड़कर गया।

थानाध्यक्ष बोले- बच्ची सुरक्षित, जांच जारी

सफीपुर कोतवाली प्रभारी संदीप मिश्रा ने बताया कि नवजात बच्ची को सुरक्षित अस्पताल पहुंचाकर उसका उपचार कराया गया है। मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है। बच्ची को खेत में छोड़ने वाले व्यक्ति की पहचान कर उसके खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बाराबंकी में बुलेट के मॉडिफाइड साइलेंसर जेसीबी से कुचले

पुलिस ने तेज आवाज पर कसा शिकंजा, अभियान जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी शहर में ट्रैफिक पुलिस ने बुधवार को तेज आवाज वाले मॉडिफाइड साइलेंसरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। दोपहर 2:30 बजे शहर के व्यस्त पटेल चौराहे पर क्षेत्राधिकारी की मौजूदगी में ट्रैफिक प्रभारी रामरतन यादव ने अभियान चलाकर जब्त किए गए बुलेट मोटरसाइकिलों के अवैध साइलेंसरों को जेसीबी मशीन से कुचलवा दिया। इस अभियान के तहत जब्त किए गए साइलेंसरों को सड़क किनारे रखकर जेसीबी से पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। इस कार्रवाई को देखने के लिए मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और राहगीर भी रुक गए। ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, मॉडिफाइड साइलेंसरों से निकलने वाली तेज आवाज आम लोगों, मरीजों, बुजुर्गों और स्कूली बच्चों के लिए परेशानी का कारण बनती है। यह मोटर वाहन अधिनियम के नियमों का भी उल्लंघन है, जिसके चलते ऐसे वाहनों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस ने चेतावनी दी है कि जिन वाहन चालकों ने अपनी बुलेट या अन्य बाइक में नियमों के विरुद्ध मॉडिफाइड साइलेंसर लगवा रखे हैं, उनके खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। वाहन चालकों से निर्धारित मानकों के अनुरूप साइलेंसर का ही प्रयोग करने की अपील की गई है।

सम्पादकीय

अराजकता का बचाव

काँग्रेस करोच जनता पार्टी के संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा के मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने जहां पुलिस के अत्यधिक बल प्रयोग की जांच करने की जरूरत जताई, वहीं नाबालिग छात्रों और ऐसे अन्य लोगों को राहत देने का भी निर्देश जारी किया, जिनकी कोई आपराधिक पृष्ठभूमि न हो। उसने यह जो स्पष्ट किया कि आपराधिक पृष्ठभूमि वालों को किसी तरह की राहत नहीं दी जा सकती, उसकी आवश्यकता इसलिए थी, क्योंकि कुछ लोग पुलिस पर हमला करने और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को भी माफी देने की मांग कर रहे थे।

यदि इस आवश्यकता की पूर्ति नहीं होती तो उन तत्वों को बल ही मिलता, जो आंदोलन के दौरान अराजकता का सहारा लेने के आदी हो गए हैं। संविधान शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन की अनुमति देता है, न कि अराजक आंदोलन को। सीजेपी के संसद मार्च में हिंसा इसीलिए हुई, क्योंकि उसके समर्थकों की भीड़ में कुछ ऐसे तत्व भी थे, जिन्होंने पुलिस पर पथराव किया और जो बैरिकेडिंग तोड़कर बिना अनुमति संसद भवन की ओर जाने को आमादा थे। इसी कारण पुलिस बल प्रयोग को बाध्य हुई। जैसे पुलिस की आवश्यकता से अधिक सख्ती स्वीकार्य नहीं हो सकती, वैसे ही भीड़ की अराजकता भी। यदि भीड़ अराजकता नहीं दिखाती तो पुलिस को बल प्रयोग की जरूरत ही क्यों पड़ती?

यह खतरनाक है कि सीजेपी के लोगों को सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश रास नहीं आया कि आपराधिक अतीत वाले उन तत्वों को राहत नहीं मिलेगी, जिन्होंने हिंसा फैलाने के साथ पुलिस पर हमला किया। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर उनकी आपत्ति उनके इस दावे की पोल खोलती है कि वे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के पक्षधर हैं। आखिर कोई अराजक तत्वों का बचाव कर शांतिपूर्ण आंदोलन कैसे कर सकता है?

अपने संसद मार्च में हिंसा पर सीजेपी प्रवक्ताओं का कहना था कि उनके समर्थकों में कुछ अराजक तत्व घुस आए थे। अब यदि इन तत्वों को दंड का भागीदार बनाने की बात हो रही है तो सीजेपी को कष्ट क्यों हो रहा है? क्या वे उनसे मिले हुए हैं? क्या वे इससे अनजान हैं कि प्रदर्शनकारियों के साथ बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी भी घायल हुए हैं? आखिर ये पुलिसकर्मी कैसे चोटिल हो गए? सीजेपी के समर्थकों की भीड़ में अराजक तत्व भी शामिल थे, इसकी पुष्टि इससे होती है कि दिल्ली पुलिस ने फेस रिकग्निशन सिस्टम के जरिये यह पाया कि संसद मार्च के समय जंतर-मंतर और आसपास 2,873 ऐसे लोग थे, जिनका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है। इनमें से नौ सौ के करीब ऐसे हैं, जिन पर हत्या, लूट और दुष्कर्म जैसे गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। ऐसे लोगों को राहत देने की मांग करना अराजकता का खुलकर समर्थन करना ही है। उनका रवैया कानून के शासन को चुनौती देने जैसा है।

गुरु पूर्णिमा व 267 वां तेरापंथ स्थापना दिवस

गुरु पूर्णिमा व 267 वें तेरापंथ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में मेरी भावपूर्ण -विनयांजलि तेरापंथ का उदय मानो स्वर्णिम सूर्योदय हुआ हैं । स्थानकवासी नाम सम्भवतः तब प्रचलित हुआ , जब इस सम्प्रदाय के मुनि स्थानकों में रहने लगे । सुप्रसिद्ध विद्वान आचार्य क्षितिमोहनसेन का स्थानकवासी नाम के विषय में यह अभिमत हैं- बाद में जब लोगों में ठीक रूप से उनकी प्रतिष्ठा हो गईं, तब इस सम्प्रदाय के लोग भिन्न- भिन्न जगहों में अड्डे जमाने लगे और साम्प्रदायिक वैभव खड़ा होने लगा । क्रमशः उनको स्थानक दोष स्पर्श करने लगा । इसलिए उन्हें स्थानकवासी कहने लगे । स्थानकवासी सम्प्रदाय में से तेरापंथ का उद् भव हुआ । आचार्य धर्मदासजी के बाईस शिष्यों में से एक धन्नोजी थे ।उनके तृतीय पट्ट पर आचार्य रूघनाथजी हुए । तेरापंथ के प्रवर्तक आचार्य भीखणजी ने उन्हीं के पास दीक्षा ग्रहण की थी । उन्होंने संघ के आचार- विचार को आगमों के कषोपल पर कस कर देखा, तो अनेक अपूर्णताएं मिली । संगठन के अभाव ने भी उनके मन को झकझोंरा । फलस्वरूप वि . सं. 1817 आषाढ़ पूर्णिमा के दिन तेरापंथ की स्थापना हुई। आदि में तेरह साधु तथा तेरह ही श्रावक थे, अतः इसका नाम तेरापंथ पड़ गया । स्वामीजी ने उस नाम को स्वीकार करते हुए उसका अर्थ किया - हे प्रभो ! यह तेरापंथ हैं । स्वामी भीखणजी ने श्रमण- संघ के जिस सुदृढ़ स्वरूप का स्वप्न देखा था, उसे उन्होंने तेरापंथ में मूर्त रूप दिया । आचार्य- शुद्धि बनाये रखने के लिए उन्होंने अनेक मर्यादाएं की । आगमानुमोदित विचारों की स्थापना के लिए उन्होंने आगम मंथन किया और अनेक नये तथ्यों का उद्घाटन किया । संगठन की दृढ़ता के लिए उन्होंने व्यक्तिगत शिष्य-प्रथा को समाप्त किया और समूचे संघ के लिए एक ही आचार्य का होना मान्य रखा । थोड़े ही दिनों में एक आचार्य, एक आचार और एक विचार के लिए तेरापंथ अन्य श्रमण- संघों के लिए अनुकरणीय बन गया । जैन धर्म में तेरापंथ को अन्तिम सम्प्रदाय कहा जा सकता है । इसके प्रवर्तक स्वामी भीखणजी ने इसकी संगठना में अत्यन्त दूरदर्शिता से काम लिया ।

प्रदीप छाजेड़

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की 09 वर्षों में हुई उल्लेखनीय प्रगति

> 66
> सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में शादी अनुदान अनुदान योजना भी विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है। इस योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में कुल 4,964 जोड़ों को रु. 992.80 लाख का लाभ प्रदान किया गया है।

शैक्षिक उन्नयन, आर्थिक रहा है। विगत 09 वर्षों में सामाजिक सुरक्षा, कौशल पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग लखनऊ सामाजिक न्याय, सशक्तीकरण तथा समावेशी विकास की दिशा में निरंतर कार्य कर विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के माध्यम से शिक्षा, विकास और आर्थिक सहायता के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित की गई हैं। विभाग की योजनाओं ने पिछडे वर्ग के लाखों लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का कार्य किया है।

शिक्षा के क्षेत्र में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग ने महत्वपूर्ण उपलब्धियां दर्ज की है। विभाग द्वारा संचालित पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में कुल 2,01,414 छात्रों को रु0 421.20 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस योजना ने आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के विद्यार्थियों को शिक्षा जारी रखने में सहायता प्रदान की और विद्यालयी शिक्षा को प्रोत्साहन मिला।

इसी प्रकार दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में कुल 2,91,263 छात्रों को रु0 12,026.36 लाख की छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इससे उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को आर्थिक संबल मिला तथा पिछडे वर्ग के छात्रों की उच्च शिक्षा में भागीदारी बढी ।

दशमोत्तर शुल्क प्रतिपूर्ति योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में कुल 2,69,954 छात्रों को रु0 55,343.84 लाख की शुल्क प्रतिपूर्ति उपलब्ध कराई गई। इस योजना ने आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए उच्च, तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के द्वार खोले और प्रतिभाशाली युवाओं को आगे बढ़ने का अवसर दिया।

यदि इन तीनों प्रमुख शैक्षिक योजनाओं को सम्मिलित रूप से देखा जाए तो कुल 7,62,631 छात्रों को लाभान्वित करते हुए लगभग रु0 67,791.40 लाख की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई गई, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।

शिक्षा के साथ-साथ कौशल विकास के क्षेत्र में भी विभाग ने उल्लेखनीय कार्य किया है। O-Level एवं CCC लेवल प्रशिक्षण योजना के अंतर्गत पिछले 09 वर्षों में कुल 4,255 छात्रों को रु0 529.22 लाख की लागत से प्रशिक्षण प्रदान किया गया है। डिजिटल युग में कंप्यूटर शिक्षा और तकनीकी दक्षता युवाओं को रोजगारोन्मुख बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। यह योजना युवाओं को आधुनिक तकनीकी कौशल से जोड़ने तथा रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुई है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर पिछड़े वर्ग परिवारों की बेटियों के विवाह में सहयोग देकर सामाजिक सुरक्षा और सम्मान-जनक सहायता प्रदान कर रही है।

यदि छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति, शादी अनुदान और कौशल विकास योजनाओं को एक साथ देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि विभाग केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षा, सामाजिक संरक्षण और रोजगारपरक सशक्तीकरण का व्यापक मॉडल प्रस्तुत कर रहा है।

पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा छात्रवृत्ति, शुल्क प्रतिपूर्ति और अन्य योजनाओं की प्रक्रिया को ऑनलाइन एवं पारदर्शी बनाया गया है। आवेदन, सत्यापन और डीबीटी के माध्यम से लाभ सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंचाया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता बढ़ी है और योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से मिल रहा है।

विभाग द्वारा स्वरोजगार एवं आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में भी कार्य किया गया है। पिछडा वर्ग वित्त एवं विकास निगम के माध्यम से विभिन्न ऋण योजनाओं, मार्जिन मनी सहायता और उद्यमिता प्रोत्साहन कार्यक्रमों से युवाओं और कारीगरों को जोड़ा गया है। इससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिला और आत्मनिर्भरता को बल मिला।

पारंपरिक व्यवसायों से जुड़े समुदायों के उत्थान हेतु भी विभाग ने प्रशिक्षण, उपकरण सहायता और वित्तीय सहयोग प्रदान किया है। इससे कारीगरों और लघु उद्यमियों की आजीविका सुदृढ़ हुई है।

महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में विभाग की योजनाओं का विशेष प्रभाव देखा गया है। महिला लाभार्थियों को प्रशिक्षण, स्वरोजगार और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से जोड़कर उनकी आर्थिक भागीदारी बढ़ाई गई है। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से भी योजनाओं का लाभ व्यापक स्तर पर पहुंचाया गया है।

विभाग की उपलब्धियों में नियमित समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। समय-समय पर योजनाओं की समीक्षा कर पात्र लाभार्थियों तक लाभ सुनिश्चित किया गया है। पारदर्शिता, जवाबदेही और सुशासन की यह व्यवस्था विभागीय कार्यप्रणाली को और प्रभावी बनाती है।

पिछले 09 वर्षों की प्रगति दर्शाती है कि पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग लखनऊ ने शिक्षा, सामाजिक सुरक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। लाखों विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, हजारों युवाओं को कंप्यूटर प्रशिक्षण और हजारों जरूरतमंद परिवारों को शादी अनुदान प्रदान कर विभाग ने सामाजिक न्याय को मजबूत किया है।

आज विभाग की योजनाएं केवल सहायता कार्यक्रम नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन और अवसर की समानता का माध्यम बन चुकी हैं। शिक्षा से लेकर रोजगार और सामाजिक सुरक्षा तक विभाग की बहुआयामी पहलें पिछड़े वर्ग के लोगों को मुख्यधारा से जोड़ने में सहायक सिद्ध हो रही है।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि पिछडा वर्ग कल्याण विभाग लखनऊ ने विगत 09 वर्षों में उल्लेखनीय प्रगति की है। 2,01,414 छात्रों को पूर्वदशम छात्रवृत्ति, 2,91,263 छात्रों को दशमोत्तर छात्रवृत्ति, 2,69,954 छात्रों को शुल्क प्रतिपूर्ति, 4,964 जोड़ों को शादी अनुदान तथा 4,255 युवाओं को O-Leve एवं CCC प्रशिक्षण प्रदान कर विभाग ने सामाजिक और शैक्षिक सशक्तीकरण की दिशा में प्रभावशाली कार्य किया है। यह उपलब्धियां लखनऊ के समावेशी विकास, सामाजिक न्याय और जनकल्याण की प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ करती हैं।

आदर अदीब पावेल बन्धु

कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय से विश्व कप तक उन्नाव की दो बेटियों ने लिखी सफलता की नई इबारत

प्रतिभा कभी संसाधनों की मोहताज नहीं होती। उसे केवल सही अवसर, उचित मार्गदर्शन और अपने सपनों पर अटूट विश्वास की आवश्यकता होती है। उत्तर प्रदेश के सरकारी विद्यालयों से निकल रही अनेक प्रेरणादायी कहानियां आज इस सत्य को बार-बार सिद्ध कर रही हैं। कभी आर्थिक अभाव, सामाजिक चुनौतियों और सीमित संसाधनों के बीच जीवन बिताने वाली बेटियां आज राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रदेश और देश का नाम रोशन कर रही हैं। ऐसी ही प्रेरणादायी कहानी है जनपद उन्नाव की दो बेटियों कु0 अर्चना देवी और कु0 निशा वर्मा की, जिन्होंने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, औरास से निकल कर क्रिकेट की दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाई है। इन दोनों बेटियों की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा बालिका शिक्षा, खेल प्रतिभाओं के प्रोत्साहन और समग्र शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जीवंत मिसाल भी है। यह कहानी बताती है कि जब शिक्षा के साथ अवसर और प्रोत्साहन जुड़ते हैं, तब साधारण परिवारों की बेटियां भी असाधारण उपलब्धियाँ हासिल कर सकती हैं।

हाल ही में 20 जुलाई को दोनों खिलाड़ियों ने लखनऊ स्थित राज्य परियोजना कार्यालय में महानिदेशक स्कूल शिक्षा श्रीमती मोनिका रानी से भेंट की। यह मुलाकात केवल सम्मान का अवसर नहीं थी, बल्कि सरकारी विद्यालयों में विकसित हो रही प्रतिभाओं की सफलता का प्रतीक भी थी। इस अवसर ने यह संदेश दिया कि कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय अब केवल शिक्षा का केंद्र नहीं, बल्कि सपनों को साकार करने का सशक्त माध्यम बन चुके हैं। गांव की मिट्टी से विश्व कप विजेता बनने तक कु0 अर्चना का सफर जनपद उन्नाव के एक साधारण ग्रामीण परिवार में जन्मी अर्चना देवी का बचपन संघर्षों से भरा रहा। कम उम्र में पिता का साया सिर से उठ गया और आर्थिक कठिनाइयों ने जीवन को और चुनौतीपूर्ण बना दिया। ऐसे हालातों में क्रिकेट जैसे खेल के बारे में सोचना भी उनके लिए आसान नहीं था।

जीवन ने तब नई दिशा ली जब उनका प्रवेश जनपद उन्नाव के कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, औरास में हुआ। विद्यालय की शिक्षिका पूनम मैम ने खेल के मैदान में अर्चना की प्रतिभा को पहचाना और उन्हें नियमित प्रशिक्षण के लिए प्रेरित किया। यही वह क्षण था जिसने उनके जीवन की दिशा बदल दी। निरंतर अभ्यास, अनुशासन और अथक मेहनत के बल पर अर्चना ने अपनी प्रतिभा को निखारा और आगे चलकर आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्व कप 2023 विजेता भारतीय टीम की सदस्य बनने का गौरव प्राप्त किया। यह उपलब्धि केवल उनके परिवार ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय बनी। अर्चना का कहना है कि यदि उन्हें केजीबीवी जैसा वातावरण और शिक्षकों का मार्गदर्शन नहीं मिला होता, तो शायद उनका सपना कभी साकार नहीं हो पाता। आज वे मानती हैं कि खेल की दुनिया में पहचान केवल प्रतिभा, मेहनत और प्रदर्शन से बनती है। इसी विद्यालय की दूसरी होनहार खिलाड़ी निशा वर्मा की कहानी भी उतनी ही प्रेरणादायक है। क्रिकेट खेलने के निर्णय पर उन्हें समाज की अनेक टिप्पणियों और तानों का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। लगातार अभ्यास और दृढ़ संकल्प के बल पर निशा उत्तर प्रदेश अंडर-19 महिला क्रिकेट टीम की महत्वपूर्ण खिलाड़ी बनीं। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया और अक्टूबर 2024 में राष्ट्रीय नॉकआउट प्रतियोगिता के लिए उनका चयन हुआ। यह उपलब्धि उनकी निरंतर मेहनत और समर्पण का परिणाम है। निशा का मानना है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत ईमानदारी से की जाए, तो परिस्थितियां कभी सफलता का रास्ता नहीं रोक पाती। अर्चना और निशा अपनी सफलता का सबसे बड़ा श्रेय अपनी शिक्षिका पूनम मैम को देती हैं। उन्होंने केवल क्रिकेट की तकनीक नहीं सिखाई, बल्कि दोनों छात्राओं के भीतर आत्मविश्वास, अनुशासन और कठिन परिस्थितियों से संघर्ष करने का साहस भी विकसित किया। उन्होंने यह विश्वास जगाया कि प्रतिभा किसी भी परिस्थिति से बड़ी होती है और सही मार्गदर्शन मिलने पर हर सपना साकार हो सकता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा समग्र शिक्षा एवं बेसिक शिक्षा विभाग के माध्यम से कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों में शिक्षा के साथ-साथ खेल, व्यक्तित्व विकास तकनीकी कौशल-विकास और नेतृत्व क्षमता को भी विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है। परिणामस्वरूप आज इन विद्यालयों की छात्राएं शिक्षा, खेल, विज्ञान, तकनीकी शिक्षा, प्रशासन और अन्य अनेक क्षेत्रों में नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं।

बागपत में महिला सशक्तिकरण की धुरी बना राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन

उत्तर प्रदेश सरकार की लोककल्याणकारी मंशा और दूरदर्शी नीतियों के अनुरूप ग्रामीण अंचल की महिलाओं को सामाजिक एवं आर्थिक रूप से सशक्त, स्वावलंबी और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में संचालित उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) जनपद बागपत में सफलता की नई कहानी लिख रहा है। प्रदेश सरकार के निरंतर प्रयासों और मार्गदर्शन में यह मिशन जनपद की हजारों महिलाओं के लिए एक मजबूत संबल और महिला सशक्तिकरण का आधार बनकर उभरा है। जो ग्रामीण महिलाएं कभी अपने परिवार के भरण-पोषण और छोटी-छोटी बुनियादी जरूरतों के लिए पूर्णतः दूसरों पर निर्भर थीं, वे आज प्रदेश सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना से जुड़कर न केवल स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के माध्यम से सफल स्वरोजगार स्थापित कर रही हैं, बल्कि अपने परिवार की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ कर संपूर्ण समाज के लिए प्रेरणास्रोत भी बन रही हैं। जनपद बागपत में जिला प्रशासन द्वारा प्रदेश सरकार के दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन करते हुए स्वयं सहायता समूहों को अधिक से अधिक सशक्त बनाने, सुगम बैंक ऋण उपलब्ध कराने, आधुनिक व्यावसायिक प्रशिक्षण देने, उत्पादों के लिए व्यापक विपणन व्यवस्था (मार्केटिंग) सुनिश्चित करने तथा रोजगार के नए अवसर सृजित करने के लिए निरंतर अत्यंत प्रभावी कदम उठाए जा रहे हैं। इन सुनियोजित और प्रतिबद्ध प्रयासों के ही बेहद सकारात्मक और उत्साहजनक परिणाम सामने आए हैं, जिसके फलस्वरूप जनपद में अब तक 64 हजार से अधिक ग्रामीण महिलाएं आजीविका मिशन से सीधे जुड़कर आत्मनिर्भरता की राह पर मजबूती से आगे बढ़ी हैं। प्रदेश सरकार की नीतियों की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण यह है कि इनमें से 15 हजार 702 महिलाएं अब 'लखपति दीदी' के गौरवशाली मुकाम पर पहुंच चुकी हैं, जिनकी वार्षिक आय दो लाख रुपये से लेकर 19 लाख रुपये तक पहुंच गई है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार के इस संयुक्त संकल्प को धरातल पर उतारते हुए जनपद बागपत में कुल 28 हजार महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसकी शीघ्र प्राप्ति के लिए जिला प्रशासन द्वारा युद्धस्तर पर कार्य किया जा रहा है। वर्तमान में जनपद के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका मिशन से जुड़ी लगभग 40 हजार महिलाएं अपनी पारंपरिक सीमाओं को तोड़कर विविध प्रकार की आधुनिक और पारंपरिक स्वरोजगार गतिविधियों में सफलतापूर्वक भाग ले रही हैं। ये ऊर्जावान महिलाएं डेयरी विकास, उन्नत पशुपालन, मशरूम उत्पादन, जैविक खेती, किराना एवं सौंदर्य प्रसाधन की दुकानों का संचालन, ब्यूटी पार्लर, आटा चक्की, शुद्ध मसाला निर्माण, हैंडलूम और रेडीमेड वस्त्र निर्माण जैसे व्यवसायों में परचम लहरा रही हैं। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक त्योहारों से जुड़े राखी निर्माण, इको-फ्रेंडली दोना-पत्तल उत्पादन, भगवान के श्रीविग्रहों के लिए आकर्षक कान्हा ड्रेस निर्माण तथा सिलाई-कढ़ाई जैसी गतिविधियों के माध्यम से ये महिलाएं प्रतिमाह 15 हजार रुपये से लेकर 60 हजार रुपये तक की शानदार नियमित आय अर्जित कर रही हैं। महिलाओं की इस बढ़ती क्रय शक्ति और आय से न केवल उनके परिवारों का जीवन स्तर उन्नत हुआ है और वे आर्थिक रूप से समृद्ध हुए हैं, बल्कि जनपद की स्थानीय ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी एक अभूतपूर्व गति और नई मजबूती मिली है।

जरा हटके

श्रीकृष्ण और ...

ललित गर्ग

मित्रता है मानवता का सबसे मजबूत सेतु

आज का विश्व अभूतपूर्व वैज्ञानिक प्रगति, तकनीकी विकास और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के उत्कर्ष का साक्षी है, लेकिन इसके समानांतर एक कठोर सच्चाई भी हमारे सामने है- मनुष्य पहले से अधिक अकेला, तनावग्रस्त और संबंधों से विहीन होता जा रहा है। परिवार छोटे हुए हैं, संवाद सीमित हुआ है, विश्वास कमजोर पड़ा है और संवेदनाएं लगातार क्षीण हो रही हैं। ऐसे समय में अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानव सभ्यता को बचाने का एक सांस्कृतिक और नैतिक अभियान है। संयुक्त राष्ट्र द्वारा प्रत्येक वर्ष 30 जुलाई को मनाया जाने वाला अंतर्राष्ट्रीय मित्रता दिवस इस विश्वास को मजबूत करता है कि मित्रता केवल दो व्यक्तियों के बीच का संबंध नहीं, बल्कि देशों, संस्कृतियों, समुदायों और सम्पूर्ण मानवता के बीच शांति का सेतु है। 2011 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस दिवस को मान्यता देते हुए स्पष्ट किया था कि यदि दुनिया में स्थायी शांति स्थापित करनी है तो उसके लिए हथियारों से अधिक प्रभावी माध्यम मित्रता, संवाद और पारस्परिक सम्मान है। नयी सभ्यता और उपभोक्तावाद के इस दौर में हर रिश्ता लाभ और हानि की तुला पर तौला जाता है। यही कारण है कि वैचारिक मतभेदों से मनभेद, प्रतिस्पर्धा से विरक्ति, और स्वार्थ से संवेदनहीनता जन्म ले रही है। ऐसे समय में दोस्ती ही एकमात्र ऐसा रिश्ता है जो इन सभी दीवारों को गिरा सकता है। यह केवल 'रिश्ता' नहीं बल्कि एक मनःस्थिति, एक दृष्टिकोण, एक आध्यात्मिक अनुभव है। जहां यह पर्व दक्षिण अमेरिकी देशों में 20 और 30 जुलाई को मनाया जाता है, वहीं भारत, मलेशिया, बांग्लादेश जैसे देशों में यह अगस्त के पहले रविवार को धूमधाम से मनाया जाता है। युवाओं के लिए यह केवल गिफ्ट, सेल्फी और चॉकलेट तक सीमित रह गया है, जबकि इसकी मूल आत्मा है एक-दूसरे की भावनाओं को समझना, स्वीकार करना और निभाना।

भारतीय संस्कृति ने तो हजारों वर्षों पूर्व ही इस सत्य को स्वीकार कर लिया था। हमारे यहां 'मित्रस्य चक्षुषा सर्वाणि भूतानि समीक्षन्ताम्' अर्थात् समस्त प्राणियों को मित्र-दृष्टि से देखने की कामना की गई है। जैन दर्शन का मैत्री भाव, बौद्ध धर्म की मैत्री भावना, उपनिषदों का वसुधैव कुटुम्बकम् तथा संत परम्परा का प्रेम-दर्शन इसी वैश्विक मित्रता की आधारशिला हैं। मित्रता संसार का सबसे स्वाभाविक और सबसे स्वतंत्र संबंध है। जन्म से मिलने वाले रिश्तों के विपरीत मित्रता का चुनाव मनुष्य स्वयं करता है। इसमें न रक्त का बंधन है, न किसी सामाजिक अनुबंध की बाध्यता। यह विश्वास, आत्मीयता, सम्मान और स्वीकार्यता पर आधारित वह रिश्ता है जिसमें व्यक्ति बिना किसी भय और संकोच के स्वयं को अभिव्यक्त कर सकता है। सच्चा मित्र हमारी सफलताओं पर प्रसन्न होता है और हमारी असफलताओं में सबसे पहले हमारे साथ खड़ा दिखाई देता है।

श्रीकृष्ण और सुदामा की मित्रता भारतीय संस्कृति में केवल दो मित्रों की कहानी नहीं है, बल्कि यह बताती है कि मित्रता का मूल्य धन, पद और वैभव से कहीं ऊपर है। श्रीराम और विभीषण की मित्रता यह संदेश देती है कि सत्य और धर्म के आधार पर स्थापित संबंध कभी नष्ट नहीं होते। इतिहास में ऐसी अनेक मित्रताएं हमें यह सिखाती हैं कि सच्चा मित्र वही है जो हमारे व्यक्तित्व का विस्तार बने, हमारे विवेक को जागृत करे और कठिन समय में हमारा संबल बने। किन्तु आज एक गंभीर प्रश्न हमारे सामने है- यदि मित्रता इतनी महान है तो समाज में वैमनस्य, हिंसा, घृणा और अविश्वास क्यों बढ़ रहा है? परिवारों में संवाद क्यों टूट रहा है? विचारों का मतभेद मनभेद में क्यों बदल जाता है? सोशल मीडिया पर हजारों 'फॉलोअर्स' होने के बावजूद मनुष्य भीतर से इतना अकेला क्यों है? इसका सबसे बड़ा कारण यह है कि हमने संबंधों को सुविधा का साधन बना लिया है। आज मित्रता भी स्वार्थ, उपयोगिता और अवसरवाद के तराजू पर तौली जाने लगी है। जब तक लाभ है तब तक मित्रता है, लाभ समाप्त होते ही संबंध भी समाप्त हो जाते हैं। ऐसी क्षणिक मित्रता वास्तव में केवल परिचय होती है, आत्मीयता नहीं। जहां स्वार्थ प्रवेश करता है, वहां विश्वास धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है। तकनीक ने हमें जोड़ने का दावा किया, लेकिन उसने संवाद की आत्मा भी कहीं छीन ली। आज लोग घंटों मोबाइल स्क्रीन पर सक्रिय रहते हैं, परंतु अपने परिवार और मित्रों के साथ कुछ मिनट भी मन से नहीं बैठ पाते। इमोजी ने भावनाओं का स्थान ले लिया है और 'ऑनलाइन' रहने वाला व्यक्ति वास्तविक जीवन में भावनात्मक रूप से 'ऑफलाइन' होता जा रहा है। यही कारण है कि अकेलापन आज विश्व स्वास्थ्य की सबसे बड़ी चुनौतियों में गिना जाने लगा है। विश्व के अनेक देशों में युद्ध, आतंकवाद, धार्मिक कट्टरता, नस्लीय भेदभाव और आर्थिक प्रतिस्पर्धा ने मनुष्यों के बीच दीवारें खड़ी कर दी हैं। ऐसे वातावरण में मित्रता केवल व्यक्तिगत सुख का माध्यम नहीं, बल्कि विश्व शांति की आवश्यकता बन गई है। यदि राष्ट्र मित्रता की भाषा सीख लें, यदि समाज संवाद का मार्ग अपनाए और यदि व्यक्ति दूसरे के दुःख को अपना दुःख समझने लगे तो अनेक संघर्ष स्वतः समाप्त हो सकते हैं। मित्रता का वास्तविक अर्थ केवल साथ घूमना, हँसना और उत्सव मनाना नहीं है। मित्रता का अर्थ है दूसरे के सम्मान की रक्षा करना, उसकी अनुपस्थिति में भी उसके प्रति निष्ठावान रहना, उसकी कमियों को स्वीकार करते हुए उसके विकास में सहयोग देना तथा आवश्यकता पड़ने पर सत्य कहने का साहस रखना। जो मित्र केवल प्रशंसा करता है, वह हितैषी नहीं हो सकता।

हिन्दी दैनिक
तमसा संकेत
www.tamsasanket.com
tamsasanketnews24@gmail.com

लोगों ने रस्सी के सहारे दोनों को बाहर निकाला, आपस में हुआ था विवाद, घटना का 27 सेकेंड का वीडियो आया सामने

नाले में कूदे पति-पत्न

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। नोएडा के बरौला क्षेत्र में मंगलवार दोपहर एक दंपती के बीच हुआ घरेलू विवाद उस समय गंभीर स्थिति में बदल गया, जब पति-पत्नी दोनों ने नाले में छलांग लगा दी। हालांकि स्थानीय लोगों की तत्परता और नाले में कम पानी होने के कारण दोनों की जान बच गई। आसपास मौजूद लोगों ने बिना समय गंवाए रस्सी और लकड़ी के पटरे की मदद से दोनों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

इस पूरी घटना का 27 सेकेंड का वीडियो बुधवार को सामने आया, जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर

पहुंची और दोनों से बातचीत कर पूरे मामले की जानकारी ली। चूंकि किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई, इसलिए पुलिस ने दोनों को समझाकर उनके घर भेज दिया। घटना को देखते ही आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू कर दिया। किसी ने पुलिस को सूचना दी तो वहीं कई लोग रस्सी और लकड़ी का पटरा लेकर मौके पर पहुंच गए।

लोगों ने अस्थायी सहारा तैयार कर पहले महिला को बाहर निकालने का प्रयास शुरू किया। स्थानीय लोगों की सूझबूझ और सामूहिक प्रयास के चलते कुछ ही मिनटों में महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इसके बाद नाले में मौजूद उसके पति को भी बाहर निकाल लिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि समय पर लोग मदद के लिए नहीं पहुंचते तो घटना गंभीर रूप ले सकती थी। बुधवार को सामने आए 27 सेकेंड के वीडियो में बचाव अभियान साफ दिखाई देता है। वीडियो में देखा जा सकता है कि महिला रस्सी और लकड़ी के पटरे के सहारे खड़ी है, जबकि ऊपर मौजूद लोग उसे धीरे-धीरे खींचकर बाहर निकाल रहे हैं। इसी दौरान उसका पति नीचे खड़ा होकर महिला को संतुलन बनाए रखने में मदद करता दिखाई देता है। महिला के सुरक्षित बाहर आने के बाद लोगों ने उसी रस्सी के सहारे पति को भी बाहर निकाल लिया।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर संभाला मामला

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिसकर्मियों ने सबसे पहले पति-पत्नी की कुशलक्षेम पूछी और दोनों से घटना के बारे में जानकारी ली। पूछताछ में सामने आया कि दोनों के बीच घरेलू विवाद हुआ था, जिसके बाद उन्होंने यह कदम उठाया। पुलिस ने दोनों को काफी देर तक समझाया और भविष्य में इस तरह का कदम न उठाने की सलाह दी। इसके बाद पति-पत्नी अपने घर लौट गए।

आपसी विवाद ने लिया खतरनाक मोड़

पुलिस के मुताबिक, पति-पत्नी के बीच किसी घरेलू बात को लेकर कहासुनी हो गई थी। विवाद इतना बढ़ गया कि दोनों गुस्से में बरौला के पास स्थित नाले तक पहुंच गए और उसमें छलांग लगा दी। राहत की बात यह रही कि जिस स्थान पर दोनों ने छलांग लगाई वहां नाले में पानी का स्तर काफी कम था, जबकि गाद अधिक जमा थी। इसी कारण दोनों डूबने से बच गए और नाले के भीतर ही फंसकर रह गए

> *पुलिस ने लोगों से अपील की है कि पारिवारिक या वैवाहिक विवाद की स्थिति में भावावेश में कोई ऐसा कदम न उठाएं, जिससे जान-माल का खतरा पैदा हो। किसी भी समस्या का समाधान बातचीत और कानूनी तरीके से निकाला जा सकता है। अधिकारियों ने कहा कि तनाव की स्थिति में परिवार, मित्रों या संबंधित संस्थाओं की मदद लेना अधिक उचित है, ताकि किसी अप्रिय घटना से बचा जा सके।*

किसी पक्ष ने नहीं कराई शिकायत

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि घटना के संबंध में किसी भी पक्ष की ओर से कोई तहरीर या शिकायत नहीं दी गई है। इसलिए फिलहाल कोई मुकदमा दर्ज नहीं किया गया है। यदि भविष्य में कोई शिकायत प्राप्त होती है तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस घटना ने एक बार फिर यह साबित किया कि आपात स्थिति में स्थानीय लोगों की त्वरित प्रतिक्रिया कई बार किसी की जान बचा सकती है। यदि आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत मदद न की होती तो यह घटना बड़ा हादसा बन सकती थी। पुलिस ने भी मौके पर मौजूद लोगों की सराहना करते हुए कहा कि समय पर किए गए रेस्क्यू के कारण पति-पत्नी दोनों सुरक्षित बच गए।

कांवड़ यात्रा से पहले एसएसपी ने दिलाई ऑनलाइन शपथ

मॉडिफाइड साइलेंसर, तेज आवाज वाले डीजे और नशे पर सख्त संदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

मुजफ्फरनगर। मुजफ्फरनगर में कांवड़ यात्रा को सुरक्षित और शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारी को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। बुधवार शाम करीब 4 बजे एसएसपी संजय कुमार वर्मा ने ऑनलाइन सभी थाना प्रभारी निरीक्षकों, थानाध्यक्षों, कांवड़ सेवा शिविर संचालकों, डीजे संचालकों, कांवड़ यात्रियों और यात्रा से जुड़े लोगों को सामूहिक शपथ दिलाई। ऑनलाइन कार्यक्रम में एसएसपी ने सभी प्रतिभागियों को शासन और प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा केवल आस्था का पर्व नहीं, बल्कि अनुशासन, सेवा और सामाजिक जिम्मेदारी का भी प्रतीक है। यात्रा को सफल बनाने में सभी संबंधित लोगों की भूमिका महत्वपूर्ण है। कार्यक्रम के दौरान मॉडिफाइड साइलेंसर और ध्वनि प्रदूषण पर भी

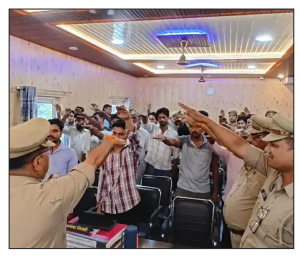

सख्त संदेश दिया गया। सभी प्रतिभागियों को शपथ दिलाई गई कि कोई भी व्यक्ति अपनी मोटरसाइकिल में अवैध रूप से मॉडिफाइड साइलेंसर का प्रयोग नहीं करेगा। वहीं डीजे संचालकों से निर्धारित ध्वनि सीमा और प्रशासन के तय मानकों का पालन करने का संकल्प लिया गया, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार का विवाद या असुविधा उत्पन्न न हो। एसएसपी ने नशामुक्त कांवड़ यात्रा की अपील करते हुए कहा कि श्रद्धालु और सेवा शिविर संचालक स्वयं भी किसी प्रकार का नशा न करें और दूसरों को भी इसके प्रति जागरूक करें।

फास्ट न्यूज

सुल्तानपुर स्टेशन पर आधे-अधूरे फुट ओवरब्रिज पर कांग्रेस का प्रदर्शन

सुलतानपुर। कांग्रेस नेताओं ने सुलतानपुर में बुधवार 3 बजे उत्तर रेलवे के डीआरएम, लखनऊ को संबोधित एक ज्ञापन स्टेशन अधीक्षक के माध्यम से सौंपा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश सचिव रणजीत सिंह सलूजा के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में रेलवे से जनहित से जुड़े दो प्रमुख मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई की मांग की गई है। आवास के सामने रेलवे क्रॉसिंग पर फुट ओवरब्रिज का निर्माण लंबे समय से अधूरा है।

4 महीने पहले कहा था- जिंदगी भर साथ निभाऊंगा

कानपुर। कानपुर में पति ने पत्नी की हत्या करके मंगलवार को सुसाइड कर लिया था। चार महीने पहले ही दोनों ने लव मैरिज की थी। अब दोनों का एक पुराना वीडियो सामने आया है। इसमें वे पुलिस और परिजनों के सामने पूरी जिंदगी साथ रहने का वादा कर रहे हैं। दरअसल, सचेंडी इलाके में रहने वाले सौरभ (23) और रानी (20) ने घर से भागकर शादी की थी। रानी के परिजन शादी के लिए तैयार नहीं थे। मामला पुलिस तक पहुंच गया। इसके बाद थाने में दोनों परिवारों की पंचायत हुई। इसमें सौरभ ने रानी का पूरी जिंदगी ध्यान रखने का वादा किया।

गो-तस्कर 2 सगे भाई गिरफ्तार

सुलतानपुर। सुल्तानपुर पुलिस ने गो-तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। बुधवार शाम 4 बजे उन्हें जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई में एक तस्कर घायल हुआ है, जबकि तीन अन्य फरार हो गए। कादीपुर सीओ विनय गौतम के अनुसार, यह घटना 28/29 जुलाई की रात कुंदाभैरोपुर सर्विस लेन अंडरपास के पास हुई। पुलिस को गो-तस्करों के आने की सूचना मिली थी।

संभल में तेज बारिश, गोंडा में पेड़ नदी में समाए

काशी में 50 मंदिरों में घुसा पानी, बलिया में 100 परिवारों ने घर छोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर, मेरठ। यूपी में पहाड़ों पर लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। बलिया में सरयू नदी का पानी गांवों में घुस गया है। करीब 100 परिवार घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर चले गए हैं। वाराणसी में गंगा का जलस्तर बढ़ने से 50 से ज्यादा छोटे-बड़े मंदिरों में पानी भर गया है। गोंडा में घाघरा नदी के किनारे तेज कटान जारी है। कई बीघा जमीन और पेड़ नदी में समा चुके हैं। कटान के डर से लोग अपने घर तोड़कर पलायन करने को मजबूर हैं। बुधवार को प्रदेश के 59 जिलों में रुक-रुककर बारिश हो रही है। संभल में बुधवार सुबह करीब 11 बजे तेज बारिश हुई, जिससे कई सड़कों पर पानी भर गया। झांसी में भी दोपहर बाद जोरदार बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में प्रदेश में सबसे ज्यादा 64.2 मिमी

बारिश मेरठ में दर्ज की गई। इसके बाद हाथरस में 43.5 मिमी, मुजफ्फरनगर में 41.6 मिमी, हापुड़ में 36.5 मिमी, बिजनौर में 35.7 मिमी, मुरादाबाद में 35.2 मिमी और वाराणसी में 29.6 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। जून से अब तक प्रदेश में सामान्य से 25% कम बारिश हुई है। इससे पहले मंगलवार को श्रावस्ती, बरेली और बुलंदशहर में बारिश के दौरान चार बच्चे नालों में बह गए। श्रावस्ती में दो मासूमों की मौत हो गई, जबकि बरेली में 8 साल का बच्चा और बुलंदशहर में 11 साल की छात्रा अब भी लापता है।

झपकी आने से खड़े डंपर में घुसी स्लीपर बस

ड्राइवर समेत 2 की मौत, 30 घायल, झांसी में बस काटकर निकाले गए यात्री

तमसा संकेत, एजेंसी

झांसी। झांसी में बुधवार सुबह करीब 4 बजे यात्रियों से भरी एक स्लीपर बस सड़क किनारे खड़े डंपर में घुस गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे में बस चालक समेत 2 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 यात्री घायल हो गए। इनमें 3 की हालत गंभीर बनी हुई है। बस में करीब 50 यात्री सवार थे। टक्कर के बाद कई यात्री बस के अंदर फंस गए। रेस्क्यू के दौरान बस का अगला हिस्सा काटकर चालक के शव और घायलों को बाहर निकाला गया, जबकि कुछ यात्री खिड़कियों के रास्ते बाहर निकले। हादसा जिला मुख्यालय से करीब 20 किलोमीटर दूर बड़ा गांव थाना क्षेत्र में पारीछा पावर प्लांट के पास हुआ। मृतकों की पहचान मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले के सावन गांव

निवासी बस चालक इस्लाम बेग (33) और विदिशा जिले के रामनगर गांव निवासी कन्ना नायक (69) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, बस प्रयागराज से विदिशा जा रही थी। प्रारंभिक जांच में चालक को नींद की झपकी आने के कारण बस सड़क किनारे खड़े डंपर से टकराने की बात सामने आई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। झांसी से पहले एक ढाबे पर बस कुछ देर रुकी थी। वहीं चालक बदला गया। दूसरा चालक बस चला रहा था। सभी यात्री सो रहे थे। करीब डेढ़ घंटे बाद हादसा हो गया। कन्ना नायक चालक के ठीक पीछे वाली सीट पर बैठे थे, इसलिए उन्हें सबसे ज्यादा चोट लगी। एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज ले जाते समय उनकी मौत हो गई। हादसे में घायल अशोकनगर जिले के भैंसराबाद निवासी मिथुन ने बताया- हम 8 लोग साथ में यात्रा कर रहे थे। हादसे में छह लोगों को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि दो लोगों को मामूली चोट लगी है। हम दादी के निधन के बाद उनके फूल विसर्जन के लिए प्रयागराज गए थे। परसों वहां पहुंचे थे और मंगलवार रात वापस लौट रहे थे।

5 साल पहले पत्नी की मौत हो चुकी

कन्ना नायक की मौत के बाद परिवार सदमे में है। उनकी पत्नी का पांच साल पहले निधन हो चुका था। परिवार में दो बेटे दिलीप और कालू तथा एक विवाहित बेटी मूर्तिबाई हैं। परिजन पोस्टमॉर्टम के बाद शव को गांव ले जाएंगे। वहीं, बस चालक इस्लाम बेग के परिजनों को भी सूचना दे दी गई है। हादसे में विदिशा जिले के रामनगर निवासी बाबूलाल घायल हो गए। उन्होंने बताया- हम प्रयागराज से गंगा स्नान कर बस से लौट रहे थे। रात में सभी अपनी-अपनी सीटों पर सो रहे थे। तभी सड़क किनारे खड़े डंपर से बस की जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मैं सीट से उछलकर नीचे गिर गया और तभी मेरी नींद खुली।

विदिशा के रामनगर निवासी हेमराज नायक ने बताया- वह अपनी पत्नी कमला, ससुर बाबूलाल, सास रामबाई और रिश्ते के समधी कन्ना नायक के साथ प्रयागराज गंगा स्नान के लिए गए थे। 27 जुलाई को गांव से बस में सवार हुए थे। बस में करीब 50 यात्री थे। मंगलवार सुबह प्रयागराज पहुंचकर सभी ने गंगा स्नान किया और रात में वापस गांव के लिए रवाना हो गए।

एडमिशन न मिलने पर आईआईटी कानपुर की वेबसाइट हैक की

छात्र बोला- मुझे एक मौका चाहिए, टैलेंट देखकर डायरेक्टर इंप्रेस, दोबारा टेस्ट के लिए बुलाया

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (IIT) में एडमिशन नहीं मिलने पर एक छात्र ने संस्थान की वेबसाइट हैक कर ली। उसने बैचलर इन साइबर सिक्योरिटी कोर्स में एडमिशन के लिए आवेदन किया था। मंगलवार को छात्र ने IIT की हाई-सिक्योरिटी वेबसाइट हैक कर उस पर मैसेज लिखा- मुझे बस एक मौका चाहिए। उसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स और रेडिट पर हैकिंग के स्क्रीनशॉट शेयर कर इसकी जिम्मेदारी भी ली। मामला सामने आते ही IIT में हड़कंप मच गया। जानकारी डायरेक्टर तक पहुंची। पहले FIR दर्ज कराने पर विचार हुआ, लेकिन बाद में छात्र के भविष्य को देखते हुए IIT प्रबंधन ने फैसला बदल दिया। IIT के

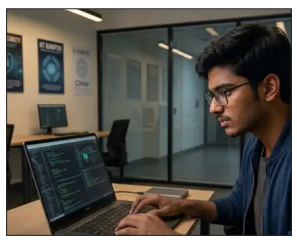

छात्र ने मैसेज में लिखा- मेरा मकसद आईआईटी कानपुर की वेबसाइड को नुकसान पहुंचाने का नहीं था।

डायरेक्टर मणिंद्र अग्रवाल ने कहा- अगर छात्र में वास्तव में साइबर सुरक्षा की क्षमता है, तो उसे दोबारा बुलाकर टेस्ट लिया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी साइबर सिस्टम में अवैध तरीके से घुसना साइबर सुरक्षा कौशल दिखाने का सही तरीका नहीं है। फिलहाल, IIT ने छात्र के भविष्य को देखते हुए उससे जुड़ी कोई भी जानकारी साझा नहीं की है। वेबसाइट हैक करने के बाद छात्र ने मैसेज में लिखा, 'मैंने IIT में एडमिशन के लिए पूरी प्रक्रिया सही तरीके से पूरी की थी। आवेदन किया, फीस जमा की, जरूरी दस्तावेज अपलोड किए और साइबर सुरक्षा में किए गए अपने काम के सबूत भी दिए। मेरा मकसद सिर्फ इतना है कि मेरी काबिलियत को एक मौका मिले। मैं चाहता हूं कि मेरी क्षमता को परखा जाए। मेरा मकसद किसी को नुकसान पहुंचाना नहीं है। मैंने वेबसाइट सिर्फ इसलिए हैक की है, ताकि साइबर सुरक्षा से जुड़े संस्थान के प्रोफेसरों का ध्यान मेरी ओर जाए। नीचे दिए गए बटन पर क्लिक करके यूजर्स वेबसाइट का इस्तेमाल कर सकते हैं।

श्रावण और चहल्लुम की तैयारी तेज, करबला और जुलूस मार्ग भी होंगे साफ

मंदिरों के पास विशेष सफाई, हर सोमवार होगी फॉगिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

सुल्तानपुर। श्रावण मास की कांवड़ यात्रा, आगामी त्योहारों और चहल्लुम को शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए सुल्तानपुर नगर पालिका परिषद ने तैयारियां तेज कर दी हैं। बुधवार को नगर पालिका सभाकक्ष में पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में साफ-सफाई, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और जुलूस मार्गों की व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि पिछले वर्षों की तरह इस बार भी श्रावण मास के दौरान नगर के सभी प्रमुख मंदिरों के

आसपास विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। मंदिर परिसरों और आसपास के क्षेत्रों से नियमित रूप से कूड़ा उठाया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए कि मंदिरों के आसपास की नालियां साफ रहें और कहीं भी जलभराव की स्थिति उत्पन्न न होने पाए। पालिकाध्यक्ष ने बताया कि श्रावण मास के प्रत्येक सोमवार को विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। सफाई के साथ-साथ चूना और एंटी-लार्वा का छिड़काव कराया जाएगा, ताकि संक्रामक बीमारियों और मच्छरों के प्रकोप को रोका जा सके। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए जरूरत पड़ने पर मंदिरों के आसपास पेयजल के लिए पानी के टैंकर भी उपलब्ध कराए जाएंगे।

भाईचारे और सौहार्द के साथ पर्व मनाने की अपील

पालिकाध्यक्ष प्रवीन कुमार अग्रवाल ने नगरवासियों से सभी धार्मिक और सामाजिक पर्व आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नगर पालिका परिषद सभी आवश्यक सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और तैयारियों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी।

समीक्षा बैठक में सभासद अरशद हबीब, अफजल अंसारी, अजय सिंह, मनीष जायसवाल और मंगरू प्रसाद प्रजापति सहित अधिशासी अधिकारी लालचन्द्र सरोज, प्रभारी कार्यालय अधीक्षक पुनीत कुमार गुप्ता, प्रभारी सफाई हनुमान सिंह, प्रभारी मार्ग प्रकाश अजय तिवारी तथा विभिन्न वार्डों के सफाई नायक मौजूद रहे। बैठक में सभी अधिकारियों को समन्वय के साथ कार्य करते हुए त्योहारों से पहले सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए।

समीक्षा : मेयर बोलीं-नगर आयुक्त से कहा है सुधर गए तो ठीक, वरना सुधारा जाएगा

जोन-5 की बैठक में फूटा पार्षदों का गुस्सा

- नगर निगम में जोन-5 की बैठक में मौजूद संबंधित विभाग के अधिकारी।
- जोन-5 की बैठक में वार्ड की समस्याएं बताते हुए पार्षद।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर नगर निगम मुख्यालय के समिति कक्ष में बुधवार को जोन-5 के विकास कार्यों और जनसमस्याओं की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। बैठक में महापौर प्रमिला पांडेय और नगर आयुक्त अर्पित उपाध्याय ने जोन-5 के सभी पार्षदों की समस्याएं एक-एक कर सुनीं। इस दौरान पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों की बदहाल व्यवस्थाओं को

लेकर अधिकारियों की कार्यशैली पर गंभीर सवाल उठाए। बैठक में पार्षद दल के नेता नवीन पंडित ने बताया कि डीप फ्रीजर खराब पड़े हैं, जिन्हें तत्काल ठीक कराया जाना चाहिए। उन्होंने गोविंदपुरी पुल पर शाम के समय रोजाना लगने वाली अवैध सब्जी मंडी को हटाने की मांग की। बैठक में उन्होंने शहर के बाजारों में खराब पड़ी स्ट्रीट लाइटों का मुद्दा भी उठाया। इसके अलावा 10-10 हाथ वाली कूड़ा गाड़ियों की संख्या बढ़ाने और निराला नगर से निकलने वाले गंदे पानी के गोविंद नगर स्थित चावला मार्केट तक पहुंचने और वहां लगातार जलभराव की समस्या का मुद्दा भी उठाया।

4 महीने पहले हुआ नाले का उद्घाटन, अब तक नहीं हुआ निर्माण

वार्ड-2 की पार्षद कल्पना ने कहा कि साल 2021 में बनाया गया नलकूप अभी तक चालू नहीं हो सका है। इसके अलावा महापौर द्वारा 4 महीने पहले किए गए नाले के उद्घाटन का अब तक निर्माण नहीं कराया गया है। इस पर अधिशाषी अभियंता ने बताया कि नाले की सफाई बारिश से पहले करा दी गई थी। अगस्त के पहले सप्ताह से काम शुरू करा दिया जाएगा। पार्षद सुधीर यादव ने कहा कि जितने प्रस्ताव पहले दिए गए थे, उनमें से कितने पर कार्रवाई की गई है। इस बारे में भी बैठक के दौरान बताया जाए। कई विकास कार्यों की फाइलें रूकी हुई हैं। पार्षद अनिल कुमार ने पीले पुल पर बनाई गई बरातशाला में कब्जे होने का मुद्दा उठाया।

साफ-सफाई और अतिक्रमण का मुद्दा भी उठाया

वहीं अन्य पार्षदों ने भी अपने वार्डों में साफ-सफाई की बदहाल व्यवस्था, जगह-जगह फैले अतिक्रमण और समय पर नालों की सफाई न होने की शिकायतें दर्ज कराईं।

पार्षदों का कहना था कि कई बार शिकायत करने के बावजूद संबंधित विभागों की ओर से प्रभावी कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिस वजह से लोग लगातार परेशान हैं।

महापौर ने दो टूक शब्दों में कहा कि जनता के विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या कोताही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि पार्षदों द्वारा उठाई गई समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जाए ताकि लोगों को सुविधाएं मिल सकें।

पिकअप-ट्रक की भिड़ंत, 3 की मौत

गाजियाबाद में पिकअप-ट्रक की भिड़ंत, 3 की मौत

- ट्रक से टकराने के बाद पिकअप बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। उसका अगला हिस्सा पूरी तरह टूट गया।
- हादसे में जान गंवाने वाले साथियों के शव लेने के लिए पोस्टमॉर्टम हाउस के बाहर बैठे परिजन और साथी।

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद। गाजियाबाद में बोलेरो पिकअप और ट्रक की टक्कर हो गई। ट्रक पिकअप को करीब 500 मीटर तक घसीटता हुआ ले गया। पिकअप में सवार 3 लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 लोग घायल हो गए। इनमें एक की हालत गंभीर होने पर उसे दिल्ली के जीटीबी अस्पताल रेफर किया गया, जबकि बाकी घायलों का सीएचसी में इलाज के बाद घर भेज दिया गया। हादसा

मंगलवार रात करीब 12:40 बजे निवाड़ी थाना क्षेत्र में हुआ। मृतकों की पहचान रमेश (22) पुत्र छोटेलाल, रतन (23) पुत्र भजनलाल और सरजीत (35) पुत्र खुशीराम के रूप में हुई है। तीनों राजस्थान के अलवर जिले के तिजारा थाना क्षेत्र के कलगांव के रहने वाले थे। पुलिस के मुताबिक, हाल ही में महिपाल नाम के एक शख्स ने नई बोलेरो पिकअप खरीदी थी। गाड़ी का पूजा कराने और गंगा स्नान के लिए हरिद्वार जा रहे थे। जैसे ही उनकी गाड़ी चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर पहुंची, सामने से आ रहे ट्रक से उसकी टक्कर हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, घायलों को अस्पताल पहुंचाया और तीनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। अलवर के कलगांव निवासी रमेश पुत्र छोटेलाल, रतन पुत्र भजनलाल और सरजीत पुत्र खुशीराम किसान थे। पुलिस के मुताबिक, कलगांव की रहने वाले महिपाल ने 5 जुलाई को नई बोलेरो पिकअप खरीदी थी। गाड़ी की पूजा कराने के लिए वह हरिद्वार जा रहे थे। गांव के अन्य लोग भी गंगा स्नान के लिए उनके साथ चल पड़े। मंगलवार शाम करीब 8 बजे महिपाल 15 लोगों के साथ बोलेरो से हरिद्वार के लिए रवाना हुए। वह खुद गाड़ी चला रहे थे। रात करीब 12:40 बजे जब बोलेरो चौधरी चरण सिंह कांवड़ पटरी मार्ग पर पहुंची, तभी सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से उसकी भिड़ंत हो गई। ट्रक में स्टील की कॉइल लदी थी। टक्कर के बाद बोलेरो ट्रक के साइड डाले में फंस गई और करीब 500 मीटर तक घिसटती चली गई।

प्रेमानंद महाराज गुरु पूर्णिमा पर राधारानी स्वरूप में दिखे, शिष्यों ने रास्ते पर फूल बिछाए

मुस्लिमों ने संत की आरती उतारी

स्वागत

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। यूपी में आज गुरु पूर्णिमा का पर्व मनाया जा रहा है। मथुरा में संत प्रेमानंद महाराज ने शिष्यों को दर्शन दिए। शिष्यों ने गुरु के स्वागत के लिए 50 मीटर तक रास्ते में फूल बिछाए और उन्हें दंडवत प्रणाम किया। सीएम योगी ने गोरखनाथ मंदिर में महायोगी गुरु गोरखनाथ की पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवेद्यनाथ की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इधर, अयोध्या में 100 मंदिरों को फूलों से सजाया गया है। यहां 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे हैं। सुबह से श्रद्धालु सरयू घाटों पर स्नान

कर रहे हैं। वाराणसी में जगद्गुरु बाबा बालक दास की मुस्लिम समुदाय के लोगों ने आरती उतारी और उनका आशीर्वाद लिया। यहां घाटों पर भी गंगा स्नान के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी है। प्रयागराज में सनातनी किन्नर अखाड़े ने गुरु वंदना यात्रा निकाली। आचार्य महामंडलेश्वर कौशल्या नंद गिरि रथ पर सवार रहीं।

देवकी नंदन महाराज का आशीर्वाद लेने पहुंचे 10 हजार श्रद्धालु

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रसिद्ध कथा वाचक देवकी नंदन महाराज के दर्शन और पूजन के लिए 10 हजार से अधिक शिष्य और श्रद्धालु पहुंचे। दूर-दूर से आए भक्तों ने गुरु का आशीर्वाद प्राप्त कर गुरु-शिष्य परंपरा के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इस अवसर पर भजन-कीर्तन और धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। पूरे परिसर में गुरु पूर्णिमा का उत्साह और आध्यात्मिक वातावरण बना रहा।

यात्रा के दौरान किन्नर समुदाय के लोग रथ के आगे-आगे भजनों पर नृत्य करते रहे। छत्तीसगढ़ की सोनिया गोद में लड्डू गोपाल को लेकर 600 किमी दूर प्रयागराज पहुंचीं और परिवार के साथ संगम में डुबकी लगाई। महिला ने कहा, "जब से लड्डू गोपाल हमारे जीवन में आए हैं, तब से सब कुछ अच्छा हो रहा है।" वाराणसी में भारतीय जनता पार्टी के महासचिव दुष्यंत कुमार ने सीर गोवर्धनपुर स्थित संत रविदास मंदिर पहुंचकर दर्शन और पूजन किया। इसके बाद उन्होंने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज संत रविदास की जन्मस्थली से उनके चरणों

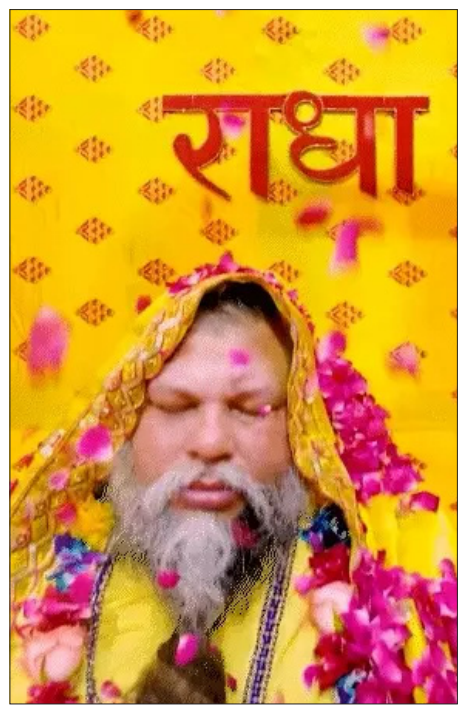

की पवित्र मिट्टी देश के विभिन्न राज्यों में भेजी जाएगी। उन्होंने इसे संत रविदास के विचारों और सामाजिक समरसता के संदेश को देशभर तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण प्रयास बताया।

मेरठ में आइशर प्रो एक्स की समर्पित डीलरशिप का शुभारंभ

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। वीई कमर्शियल व्हीकल्स लिमिटेड (वीईसीवी) की व्यावसायिक इकाई आइशर ट्रक्स एंड बसेज़ ने मेरठ में अपनी आइशर प्रो एक्स स्मॉल ट्रक रेंज के लिए समर्पित अत्याधुनिक 3एस (सेल्स, सर्विस एवं स्पेयर्स) डीलरशिप का शुभारंभ किया। दिल्ली रोड स्थित गुरु नानक नगर में स्थापित यह डीलरशिप पंजाब मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा संचालित की जाएगी। यहां ग्राहकों को बिक्री, सर्विस और स्पेयर पार्ट्स की सभी सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध होंगी। उद्घाटन अवसर पर वीई कमर्शियल व्हीकल्स के एसवीपी-एससीवी (सेल्स एवं मार्केटिंग) अभिषेक चौधरी ने बताया कि इस शोरूम में 3 टन और 3.5 टन ग्रॉस व्हीकल वेट श्रेणी के स्मॉल कमर्शियल वाहन उपलब्ध होंगे। ये वाहन इलेक्ट्रिक, डीजल और सीएनजी ईंधन विकल्पों में पेश किए गए हैं, जिससे ग्राहकों को उनकी व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर विकल्प मिलेंगे। उन्होंने बताया कि लगभग 9,000 वर्ग फुट क्षेत्र में विकसित इस डीलरशिप में आधुनिक शोरूम के साथ अत्याधुनिक वर्कशॉप, समर्पित सर्विस बे, विशाल डिस्प्ले एरिया तथा ग्राहकों एवं ड्राइवरों के लिए आरामदायक लाउंज जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। डिजिटल डिस्प्ले और कस्टमाइजेशन ज़ोन के माध्यम से ग्राहक अपनी जरूरत के अनुसार कार्गो बॉडी, लोड डेक, ईंधन विकल्प और वाहन का चयन कर सकेंगे।

फास्ट न्यूज

पति के दोस्त ने की महिला से छेड़खानी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में एक महिला के साथ उसके पति के दोस्त ने छेड़खानी की। आरोपी उधारी की रकम मांगने के बहाने घर पहुंचा था। पीड़िता का कहना है कि आरोपी ने फोन करके उस पर दबाव बनाया कि उधारी की रकम नहीं लौटा पा रहे तो अकेले में आकर मिल लो। इससे आहत महिला ने फंदा लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। उसे पड़ोसियों ने किसी तरह बचाया और अस्पताल में भर्ती कराया है।

कांवड़ यात्रा में बसों की रफ्तार 30 किमी/घंटा रहेगी

मुरादाबाद। मुरादाबाद में कांवड़ यात्रा के दौरान रोडवेज बसों की रफ्तार 30 किमी प्रति घंटा रहेगी। यात्रियों और कांवड़ियों की सुरक्षा को देखते हुए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने यह व्यवस्था लागू की है। सावन माह के दौरान सभी बसों का संचालन निर्धारित गति सीमा में होगा। चालकों को सुरक्षित ड्राइविंग के निर्देश दिए गए हैं और बसों में स्पीड गवर्नर समेत अन्य सुरक्षा मानकों की नियमित जांच की जाएगी। सावन माह में कांवड़ यात्रा के दौरान यात्रियों और कांवड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम ने व्यापक तैयारियां की हैं।

50 हजार के इनामी हत्यारोपी की गिरफ्तारी नहीं

सुलतानपुर। सुल्तानपुर के दोस्तपुर थाना क्षेत्र में एक हत्या के मामले में 50 हजार रुपये के इनामी प्रदीप पटेल की गिरफ्तारी न होने पर बुधवार 2 बजे पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है। गोसैसिंहपुर निवासी हिमांशु अग्रहरि ने एसपी को पत्र सौंपकर आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की है। उन्होंने पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाते हुए कहा कि फरार आरोपी खुलेआम घूम रहा है और पुलिस उसे गिरफ्तार करने में टालमटोल कर रही है।

41 लीटर की कांवड़ लेकर निकले श्रद्धालु

गौ-माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

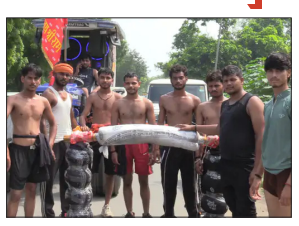

कोल। मथुरा जिले के गांव बास निवासी विकास दीक्षित अपने 11 साथियों के साथ गौ माता को राष्ट्र माता घोषित करने की मांग को लेकर एक अनोखी कांवड़ यात्रा पर निकले हैं। यह यात्रा 26 जुलाई 2026 को रामघाट से शुरू हुई, जिसमें श्रद्धालु 41-41 लीटर की दो कांवड़ लेकर चल रहे हैं। उनका लक्ष्य मथुरा जिले के गांव बाद स्थित गोपाल जी मंदिर में जलाभिषेक करना है। 26 जुलाई 2026 को दोपहर लगभग 3 बजे रामघाट से शुरू हुई यह कांवड़ यात्रा 3 अगस्त 2026, सोमवार को समाप्त होगी। श्रद्धालुओं का कहना है कि यह यात्रा केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य गौ संरक्षण और सनातन संस्कृति के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना भी है। यात्रा में ट्रैक्टरों पर डीजे साउंड सिस्टम के साथ सहयोगी श्रद्धालु भी चल रहे हैं। कांवड़िए पैरों में घुंघरू बांधकर भक्ति में लीन दिखाई दे रहे हैं। रास्ते भर गंगा मैया की जय, जय गौ माता, जय गोपालऱ के जयकारों से माहौल भक्तिमय बना हुआ है। श्रद्धालुओं के चेहरों पर उत्साह और अपने लक्ष्य तक पहुंचने का संकल्प स्पष्ट दिख रहा है। कांवड़ यात्री विकास दीक्षित ने बताया कि उनकी मुख्य मांग है।

गलत बिजली बिल देने पर 1 लाख जुर्माना

इंजीनियर को सैलरी से देना होगा मुआवजा, बिना बिजली खपट के बढ़ाए 2 किलोवाट

तमसा संकेत, एजेंसी

अलीगढ़। अलीगढ़ में जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने बिजली विभाग की लापरवाही पर सख्त रुख अपनाते हुए उपभोक्ताओं के हित में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। आयोग ने गलत बिजली बिल जारी करने और शिकायत के बावजूद सुधार न करने के मामले में दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (डीवीवीएनएल) के अधिशासी अभियंता पर एक लाख रुपये का व्यक्तिगत जुर्माना लगाया है। आयोग ने स्पष्ट किया कि यह राशि संबंधित अधिकारी को अपने वेतन से अदा करनी होगी। यह मामला शहर के विष्णुपुरी स्थित कन्या इंटर कॉलेज का है। कॉलेज के प्रबंधक सतीशचंद्र ने जिला उपभोक्ता आयोग में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि कॉलेज में विधिवत दो किलोवाट का बिजली कनेक्शन है।

जांच में विभाग की गलती आई सामने

शिकायत मिलने के बाद विभाग के एसडीओ-द्वितीय ने 14 नवंबर 2024 को कॉलेज परिसर का निरीक्षण किया। जांच के दौरान यह स्पष्ट हुआ कि कॉलेज की वास्तविक बिजली खपत दो किलोवाट से भी कम है। निरीक्षण रिपोर्ट में एसडीओ ने बिजली लोड को दो किलोवाट पर वापस करने की सिफारिश भी की, लेकिन इसके बावजूद विभाग ने न तो अतिरिक्त सुरक्षा राशि हटाई और न ही गलत बिल में कोई संशोधन किया। इससे कॉलेज को अनावश्यक आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा।

अधिशासी अभियंता पर व्यक्तिगत जुर्माना

जिला उपभोक्ता आयोग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए संबंधित अधिशासी अभियंता को व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार ठहराया और उनके वेतन से एक लाख रुपये मुआवजे के रूप में अदा करने का आदेश दिया।

इसके अलावा कॉलेज को 10 हजार रुपये मुकदमे का खर्च भी देने के निर्देश जारी किए गए। आयोग का यह फैसला उन उपभोक्ताओं के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है जो गलत बिलिंग या विभागीय लापरवाही का सामना कर रहे हैं। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि यदि सरकारी विभाग बिना उचित कारण के उपभोक्ताओं को परेशान करते हैं और शिकायतों के बावजूद सुधार नहीं करते, तो संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से भी जिम्मेदार ठहराया जा सकता है।

29,006 ब्याज सहित लौटाने का आदेश

आयोग ने आदेश दिया कि कॉलेज से वसूली गई 16 हजार रुपये की अतिरिक्त सुरक्षा राशि तथा 13,006 रुपये की अतिरिक्त वसूली वापस की जाए। इस प्रकार कुल 29,006 रुपये की राशि 9 प्रतिशत वार्षिक ब्याज के

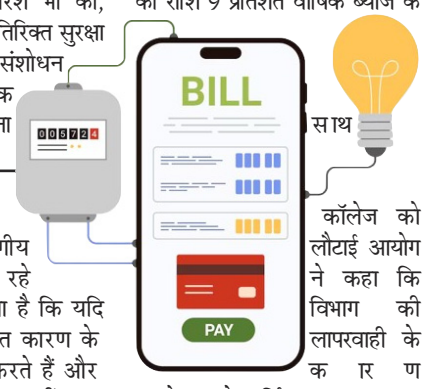

साथ कॉलेज को लौटाई आयोग ने कहा कि विभाग की लापरवाही के कारण उपभोक्ता को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा, जबकि जांच रिपोर्ट विभाग के पास उपलब्ध होने के बावजूद सुधारात्मक कार्रवाई नहीं की गई।

गौशाला से गौवंश ले जाने वाले दो बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। मथुरा जिले के थाना कोसीकलां पुलिस ने शासन द्वारा संचालित एक अस्थायी गौशाला से गौवंश ले जाने और कर्मचारी पर जानलेवा हमला करने के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मुठभेड़ के बाद घटना में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से अवैध हथियार, कारतूस, बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल, रस्सियां और नकदी भी बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार, 23 जुलाई 2026 को ग्राम ऐंच स्थित अस्थायी गौशाला में तैनात कर्मचारी के साथ आरोपियों ने मारपीट की थी। हमले में कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गया था। इसके बाद आरोपी गौशाला से गौवंशों को अपने साथ ले गए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। घटना के खुलासे के लिए लगातार अभियान चला रही थाना कोसीकलां पुलिस टीम ने कार्रवाई के दौरान दोनों आरोपियों को पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तारी के दौरान आरोपियों ने बचने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस टीम ने उन्हें दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने बड़ी मात्रा में सामान बरामद किया। इनमें शामिल हैं— बरामद सामान को पुलिस ने कब्जे में लेकर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। क्षेत्राधिकारी छाता ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में विधिक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस वारदात में अन्य लोग शामिल थे या नहीं और गौवंशों को ले जाने के पीछे क्या उद्देश्य था। पुलिस का कहना है कि गौवंशों की तस्करी और गौशालाओं में होने वाले अपराधों पर सख्ती से कार्रवाई की जा रही है।

आगरा में 31 जुलाई तक जमा करें प्रॉपर्टी टैक्स

इसके बाद नहीं मिलेगी लाभ, 10 फीसद की मिल रही छूट

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। अगर आपने अभी तक वित्तीय वर्ष 2026-27 का प्रॉपर्टी टैक्स जमा नहीं किया है, तो आपके पास केवल 31 जुलाई तक का समय बचा है। नगर निगम द्वारा दी जा रही 10 प्रतिशत की छूट का लाभ लेने के लिए निर्धारित तिथि तक टैक्स जमा करना अनिवार्य है। इसके बाद यह छूट समाप्त हो जाएगी और करदाताओं को पूरा टैक्स जमा करना होगा। नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि अंतिम समय की भीड़ से बचते हुए जल्द से जल्द अपना प्रॉपर्टी टैक्स जमा कर दें, ताकि उन्हें आर्थिक लाभ मिल सके। नगर निगम ने चालू वित्तीय वर्ष की शुरुआत में अप्रैल माह में आयोजित अधिवेशन में निर्णय लेते हुए प्रॉपर्टी टैक्स और हाउस टैक्स पर 10 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की थी। यह छूट केवल 31 जुलाई 2026 तक लागू रहेगी। नगर आयुक्त संतोष कुमार वैश्य ने शहर-वासियों से अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि निर्धारित समय सीमा के भीतर टैक्स जमा करने पर नागरिकों को सीधा आर्थिक फायदा मिलेगा। नगर निगम अधिकारियों के अनुसार 1 अगस्त से 31 मार्च तक प्रॉपर्टी टैक्स जमा करने वाले करदाताओं को किसी प्रकार की छूट नहीं मिलेगी। ऐसे में उन्हें पूरा टैक्स भुगतान करना होगा। इसलिए समय रहते टैक्स जमा करना अधिक लाभदायक रहेगा। उत्तर प्रदेश सरकार ने नगर निगमों के बकाया करों की वसूली के लिए 15 अगस्त 2026 से एकमुश्त समाधान योजना (OTS) लागू करने का निर्णय लिया है। यह योजना 15 दिसंबर 2026 तक प्रभावी रहेगी। इस योजना के तहत नगर निगम के हाउस टैक्स, प्रॉपर्टी टैक्स, जलकर और सीवर टैक्स के बकायेदारों को बड़ी राहत दी जाएगी। एकमुश्त समाधान योजना के तहत यदि कोई बकायेदार अपनी मूल बकाया राशि का भुगतान नियमानुसार करता है, तो उसे ब्याज और सरचार्ज पर 100 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।

पहली बार कई नई श्रेणियां भी शामिल

इस बार सरकार ने योजना का दायरा बढ़ाते हुए केवल आवासीय भवनों तक इसे सीमित नहीं रखा है। पहली बार अनावासीय, मिश्रित उपयोग वाली संपत्तियां, व्यक्तिगत संस्थान तथा पब्लिक सेक्टर यूनिट (PSU) की संपत्तियों को भी योजना में शामिल किया गया है।

एक अप्रैल 2026 तक के बकाये पर मिलेगा लाभ

नगर निगम के अनुसार यह योजना 1 अप्रैल 2026 तक लंबित सभी बकाया करों पर लागू होगी। पात्र बकायेदार निर्धारित अवधि के भीतर मूल कर जमा कर ब्याज और सरचार्ज से पूरी तरह राहत प्राप्त कर सकेंगे।

पृष्ठ 01 का शेष...

पेपर लीक ...

यदि वे व्यक्ति विशेष के लिए ये शब्द नहीं बोल रहे तो क्या छात्रों के लिए ये शब्द थे। और यदि छात्रों को इडियट कहा जाए तो इससे दुर्भाग्यपूरअम कुछ नहीं है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पेपर लीक से जुड़े बिल पर 50 मिनट स्पीच दी। उन्होंने इडियट और अंधभक्त जैसे शब्द बोले। फिर कहा कि गृहमंत्री ने दिल्ली में छात्रों पर फायरिंग के आदेश दिए। इसको लेकर सत्तापक्ष ने जमकर हंगामा किया। लोकसभा से बिल हंगामे के बीच पारित हुआ। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने 7 बार खड़े होकर राहुल को टोका और संसदीय नियम का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं।' स्पीकर ओम बिरला ने भी राहुल को 11 से ज्यादा बार टोका। कहा कि वे इस तरह के असंसदीय शब्द नहीं बोल सकते। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्पीकर से कहा- इन शब्दों को सदन की कार्यवाही से हटा दिया जाए। पेपर लीक से जुड़े बिल पर आज लगातार दूसरे दिन चर्चा हो रही है। मंगलवार को बिल पर 9 घंटे बहस हुई थी। पहले दिन केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने सरकार का पक्ष रखा। विपक्ष की तरफ से गौरव गोगोई, प्रियंका गांधी, अखिलेश यादव बहस में शामिल हुए।

कोयला घोटाला में ...

हालांकि, स्पेशल जज ने रिपोर्ट को ठुकरा दिया था। 11 मार्च 2015 को पूर्व प्रधानमंत्री को समन जारी कर दिया था। सिब्बल ने यह भी कहा कि ट्रायल कोर्ट ने सरकारी मंजूरी का इंतजार किए बिना ही मामला दर्ज कर लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि स्पेशल जज के पास सीबीआई की क्लोजर रिपोर्ट को ठुकराने का कोई ठोस कारण नहीं था। कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को रद्द करते हुए मामले को मेरिट के आधार पर बंद कर दिया। यह मामला 2005 में ओडिशा के तालाबीरा-II कोल ब्लॉक आवंटन में भ्रष्टाचार के आरोपों से जुड़ा था।

बांटने वालों के ...

कार्यक्रम में सीएम योगी, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य और प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरूआत सीएम योगी ने की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन में को भी शामिल होना था। लेकिन उनका कार्यक्रम निरस्त हो गया है। सीएम योगी ने कहा- संतों की बात वे लोग स्वीकार नहीं करेंगे, जो समाज को बांटने का काम करते हैं। समाज को बांटने वाले वही लोग हैं, जिनके आदर्श बाबर और औरंगजेब रहे हैं। ये लोग समाज को खाई-खाई में बांटकर आपस में लड़ाने का काम करते हैं। सीएम ने कहा-सपा सरकार के दौरान पड़ोसी जिले संत रविदास नगर का नाम बदलकर भदोही कर दिया गया था। भाजपा सरकार संतों और महापुरुषों के सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है और वह मुख्यमंत्री से बातचीत कर जिले का नाम फिर से संत रविदास नगर कराने का प्रयास करेंगे। कार्यक्रम को लेकर प्रमुख चौराहों, मार्गों और कार्यक्रम स्थलों को होर्डिंग, स्वागत द्वार और रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया है। सीरगोवर्धन स्थित संत रविदास मंदिर परिसर को विशेष रूप से सजाया गया है। वहीं, बीएचयू गेट स्थित मालवीय प्रतिमा और आसपास के क्षेत्रों को भी आकर्षक स्वरूप दिया गया है। कार्यक्रम में एक सीएम, दो डिप्टी सीएम, एक केन्द्रीय मंत्री, 12 प्रदेश मंत्री शामिल है। देशभर से आए प्रतिनिधियों को संत रविदास की जन्मस्थली से पवित्र माटी से भरे कलश सौंपे जा रहे हैं। भारत के सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से पहुंचे प्रतिनिधि इन कलशों को अपने-अपने जिलों तक लेकर जाएंगे। आयोजन के तहत सबसे पहले माटी कलश संबंधित जिला मुख्यालयों तक पहुंचाए जाएंगे, जहां से इन्हें आगे हरगांव ले जाया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य संत रविदास के संदेश, विचार और सामाजिक समरसता के भाव को देशभर में पहुंचाना है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रदेश में जहां-जहां महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित हैं, वहां उनकी सुरक्षा और सम्मान के लिए छतरी लगाने का कार्य कराया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार महापुरुषों की विरासत को संरक्षित करने और उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है मुख्यमंत्री ने कहा कि संत रविदास ने बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी और मां गंगा के तट पर मानव जीवन का सार बताते हुए कहा था, "मन चंगा तो कठौती में गंगा"। यह संदेश व्यक्ति की आंतरिक पवित्रता और सदाचार के महत्व को दर्शाता है। संत रविदास के विचारों को आत्मसात कर समाज में सद्भाव, समरसता और सेवा की भावना को मजबूत किया जा सकता है। यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में भी सहायक बनेगी।

छात्रों पर दिल्ली में...

उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष को माफी मांगनी चाहिए। इस पर राहुल ने कहा, 'अगर आप चाहते हैं कि देश में सिर्फ बीजेपी बोले तो मैं चुप होकर बैठ जाता हूं।' पात्रा ने कहा- जितने साल कांग्रेस की सरकार रही है तब जेन-Z नहीं जेन-G यानी गांधी जनरेशन की बात हुई। गांधी परिवार को आगे बढ़ाने की और गांधी परिवार की चिंता होती थी। इन्होंने आंध प्रदेश, तेलंगाना के आंदोलन में छात्रों को गोली से उड़वा दिया। कश्मीर में, असम में स्टूडेंट्स पर गोली चलवाई थीं। उस समय सिर्फ गांधी परिवार की चिंता होती थी अब जेन-Z की चिंता होती है। उनकी बात होती है। पात्रा ने बताया कि राहुल ने लोकसभा में कहा -अमित शाह के काफिले में 30 गाड़ियां थीं। मैं चैलेंज करता हूं राहुल जी दिखाइए कहां 30 गाड़ियां थीं। राहुल जी 5 मिनट सदन में बैठ नहीं सकते और निकल जाते हैं। 30 गाड़ियां तो पीएम मोदी के काफिले में नहीं होतीं। इन्होंने कहा कि अमित शाहजी कांप रहे थे, लेकिन राहुलजी अमित शाह वो शख्स हैं जिन्हें देखकर नक्सली कांपते हैं। शाह जी ने चुन-चुन कर 100-100 हत्याएं करने वाले नक्सलियों का सफाया किया है। उनके नाम से आतंकवादी कांपते हैं। आप देश को भ्रमित मत करिए। सांसद संबित पात्रा ने बताया कि लोकसभा में राहुलजी ने कहा कि 3 कैटेगरी के स्टूडेंट्स होते हैं। फिर उन्होंने कहा कि देश में 3 कैटेगरी के लोग हैं। एक कैटेगरी है स्टूडेंट्स, दूसरी इडियट और तीसरी कैटेगरी है अंधभक्त। एक जगह उन्होंने स्टूडेंट्स की 3 कैटेगरी बताई हैं। दूसरी कैटेगरी का जो स्टूडेंट होता है वो इडियट होता है और तीसरी कैटेगरी जो होता है, वो अंधभक्त होता है जो इडियट को भगवान मानता है। ये देश के स्टूडेंट्स का अपमान है। देश के सारे स्टूडेंट्स विद्यार्थी हैं। देश का कोई भी स्टूडेंट इडियट अंधभक्त नहीं है। संबित पात्रा ने कहा, राहुल ने पूछा- गृह मंत्री कहां हैं, सदन में क्यों नहीं आए। मैं बताता हूं कि शाह आपकी तरह चोरी-चोरी, चुपके चुपके विदेश नहीं जाते। अमित शाह के पब्लिक कार्यक्रम होते हैं ये सबको पता होता है। सोशल मीडिया पर बताया जाता है कि जिस समय राहुल बोल रहे थे वे सदन में मौजूद थे। केवल सनसनी बनाने के लिए राहुल जी ने शाह का नाम लिया। भाजपा नेता संबित पात्रा ने कहा कि बीजेपी कहती है कि गोली नहीं चलाई गई। राहुल ने झूठ बोला। उन्होंने कहा कि गोली चलाने का आदेश गृहमंत्री अमित शाह ने दिया। ये झूठ है क्योंकि गोली चली नहीं तो आदेश कहां से देंगे। जहां भी मार्च होता है और वहां फोर्स होती है तो वहां मजिस्ट्रेट होता है जो ऑन द स्पॉट निर्णय लेता है कि गोली चलानी चाहिए या नहीं। गृह मंत्री निर्णय नहीं लेते। राहुलजी को ये मालूम होना चाहिए। उन्हें यदि नहीं मालूम तो प्रियंका जी आकर बता रहीं थीं सब लोग सत्य से अवगत करा रहे होंगे। लेकिन जागते हुए जो सो रहे हैं उन्हें जगाया नहीं जा सकता। राहुल जी भ्रम फैला रहे थे।

हरजिंदर को वेटलिफ्टिंग में सिल्वर, बॉक्सिंग में 3 पदक पक्के, कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को 12 मेडल

गुलवीर 10,000 मीटर रेस में सिल्वर जीतने वाले पहले भारतीय

गर्व

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय खिलाड़ियों ने ग्लासगो में चल रहे कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के 5वें दिन 2 सिल्वर मेडल जीत लिए। मंगलवार देर रात गुलवीर सिंह ने पुरुषों की 10 हजार मीटर की रेस में दूसरा स्थान हासिल किया। वे इस इवेंट में मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बने। इससे पहले महिला वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने कुल 227 किलो वजन उठाकर सिल्वर जीता। भारत के 3 मुक्केबाजों ने भी अपने मैच जीतकर मेडल पक्के कर लिए हैं। तीनों सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। गुलवीर और हरजिंदर के सिल्वर के बावजूद भारत मेडल टैली में नौवें नंबर पर खिसक गया है। भारत ने अब तक 2 गोल्ड समेत कुल 12 मेडल जीते हैं। भारत एक दिन पहले टैली में 8वें नंबर पर था। ऑस्ट्रेलिया 35 गोल्ड लेकर कुल 80 मेडल जीतकर टॉप पर बना हुआ है। हरजिंदर कौर पंजाब के नाभा के महेश गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने खेल की शुरुआत वेटलिफ्टिंग से नहीं, बल्कि कबड्डी और रस्साकशी से की थी। उनके कोच परविंदर शर्मा ने उनकी मजबूत मसल पावर देखकर उन्हें वेटलिफ्टिंग अपनाने की सलाह दी। हरजिंदर घर पर चारा काटने की मशीन चलाती थीं, जिसमें लोहे के दो बड़े पहियों को घुमाना पड़ता था। इससे उनकी ताकत बढ़ी और वेटलिफ्टिंग की शुरुआत में उन्हें ज्यादा दिक्कत नहीं हुई। 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने अपने पहले ही मुकाबले में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। अब सिल्वर जीतकर उन्होंने संकेत दे दिया है कि अगला लक्ष्य गोल्ड मेडल है। हरजिंदर कौर का सिल्वर कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 में वेटलिफ्टिंग में भारत का सातवां मेडल है। इससे पहले मीराबाई चानू ने गोल्ड, ऋषिकांत सिंह, ज्ञानेश्वरी यादव, राजा मुथुपांडी और अजय बाबू ने सिल्वर, जबकि बिंदियारानी देवी ने ब्रॉन्ज मेडल जीता था।

सेना में भर्ती के लिए दौड़ना शुरू किया, अब देश के लिए मेडल जीत रहे

27 साल के गुलवीर सिंह उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले के सिरसा गांव के रहने वाले हैं और भारतीय सेना में नायब सूबेदार हैं। उन्होंने सेना में भर्ती की तैयारी के लिए दौड़ना शुरू किया था। 2018 में ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट में शामिल होने के बाद उन्होंने एथलेटिक्स को गंभीरता से अपनाया।

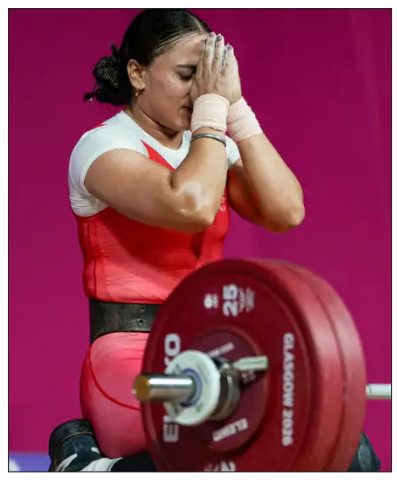

हरजिंदर ने सिल्वर मेडल जीतने के बाद हाथ जोड़कर सभी का अभिवादन किया।

> गुलवीर ने स्कॉटस्टाउन स्टेडियम में भारी बारिश और गीले ट्रैक में 27:49.78 सेकंड का समय निकाला। ऑस्ट्रेलिया के काई रॉबिन्सन ने गोल्ड और आइल ऑफ मैन मुल्लार्की ने ब्रॉन्ज मेडल जीता।

हरजिंदर कौर ने पर्सनल बेस्ट के साथ रजत जीता

वेटलिफ्टर हरजिंदर कौर ने महिलाओं की 69 किलो वेट कैटेगरी में 227 किलोग्राम वजन उठाकर दूसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने स्नैच में 101 किलो वजन उठाकर पर्सनल बेस्ट हासिल किया। उसके बाद क्लीन एंड जर्क में 126 किलो वजन उठाते हुए सिल्वर हासिल किया।

इस इवेंट का गोल्ड कनाडा की चार्लोट सिमोन्यू (कुल 240 किलोग्राम) और ब्रॉन्ज ऑस्ट्रेलिया की नया फीबी हेमैन (कुल 227 किलोग्राम) को मिला।

अडाणी पोर्ट्स का मुनाफा 10% बढ़कर 3,650 करोड़ हुआ

कंपनी को घरेलू पोर्ट्स कारोबार से फायदा मिला

मुंबई, एजेंसी

अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (APSEZ) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। मजबूत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कारोबार के दम पर कंपनी का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 10% बढ़कर 3,650 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 3,311 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। कंपनी की ऑपरेशंस से होने वाली कमाई में भी 19% की बढ़त दर्ज की गई है। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू बढ़कर 10,821 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 9,126 करोड़ रुपए था।

तिमाही के दौरान अडाणी पोर्ट्स का EBIDTA यानी ऑपरेटिंग प्रॉफिट 19% बढ़कर 6,541 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 5,495 करोड़ रुपए था। EBITDA मार्जिन में भी मामूली सुधार देखा गया है और यह 60.2% से सुधरकर 60.4% पर पहुंच गया है। अडाणी पोर्ट्स ने बताया कि उसका डोमेस्टिक पोर्ट्स बिजनेस कमाई का सबसे बड़ा जरिया बना रहा। बेहतर कार्गो मिक्स, ज्यादा रियलाइजेशन और वॉल्यूम ग्रोथ के चलते घरेलू पोर्ट्स बिजनेस के रेवेन्यू में सालाना आधार पर 12% की बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस पहली तिमाही के दौरान कंपनी के डोमेस्टिक पोर्ट्स ने कुल 115.3 मिलियन मीट्रिक टन (MMT) कार्गो हैंडल किया। इस वर्टिकल का EBITDA मार्जिन 74% रहा, जो इंडस्ट्री में बेस्ट-इन-क्लास माना जाता है।

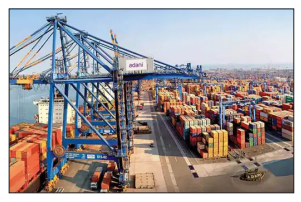

रूस ने टेलीग्राम के फाउंडर को वॉन्टेड लिस्ट में डाला

पावेल दुरोव पर आतंकवाद फैलाने का आरोप, केस दर्ज एप बैन हो सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस की मुख्य सुरक्षा एजेंसी फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (FSS) ने मैसेजिंग एप टेलीग्राम के फाउंडर पावेल दुरोव के खिलाफ आतंकवाद को बढ़ावा देने के आरोप तय किए हैं। रूस ने उन्हें इंटरनेशनल वॉन्टेड लिस्ट में भी डाल दिया है।

FSS ने आरोप लगाया कि टेलीग्राम का एडमिनिस्ट्रेशन उन चैनल्स, चैट्स और बोट्स को हटाने में नाकाम रहा है, जिनका इस्तेमाल यूक्रेनी इंटेलिजेंस एजेंसियां और चरमपंथी संगठन रूस में तोड़फोड़, साइबर फ्रॉड और आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए कर रहे हैं।

सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि बार-बार चेतावनी के बावजूद टेलीग्राम प्रशासन ने इन्हें हटाने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया। पावेल दुरोव पर नया केस दर्ज होने के बाद अब रूस में टेलीग्राम के भविष्य और इसकी सेवाओं पर पूरी तरह बैन लगने की आशंका बढ़ गई है।

पावेल दुरोव का जन्म रूस में ही हुआ था, लेकिन उन्होंने 2021 में फ्रांस की नागरिकता हासिल कर ली थी। इस समय वे दुबई से अपनी कंपनी और एप का संचालन कर रहे हैं।

रूस में टेलीग्राम सबसे लोकप्रिय मैसेजिंग एप्स में से एक है। रूसी सरकार ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए एप पर पहले ही कड़े प्रतिबंध लगा रखे हैं। इसके बावजूद आम लोगों से लेकर सरकारी और मिलिट्री से जुड़े लोग भी इस एप का उपयोग करते हैं।

FSS रूस की मुख्य आंतरिक सुरक्षा और खुफिया एजेंसी है। यह पूर्ववर्ती सोवियत संघ की एजेंसी KGB की उत्तराधिकारी मानी जाती है। इसका मुख्य काम देश के भीतर आतंकवाद रोकना, सीमाओं की सुरक्षा करना और साइबर सुरक्षा की निगरानी करना है।

1984 में रूस में जन्मे दुरोव को 'रूस का मार्क जकरबर्ग' कहा जाता है।

बॉक्सर सचिन सिवाच जीते तो मेडल पक्का

संजना वेटलिफ्टिंग में गोल्ड के लिए खेलेंगी, कॉमनवेल्थ गेम्स का आज छठा दिन

ग्लासगो, एजेंसी

कॉमनवेल्थ गेम्स के छठे दिन भारतीय खिलाड़ी वेटलिफ्टिंग, स्विमिंग, एथलेटिक्स, पैरा स्विमिंग, बॉक्सिंग और लॉन बॉल्स में चुनौती पेश करेंगे। टीम की सबसे ज्यादा उम्मीदें वेटलिफ्टिंग और एथलेटिक्स से रहेंगी। संजना महिला 77 kg फाइनल में गोल्ड के लिए उतरेंगी। वहीं बॉक्सर सचिन सिवाच क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलेंगे। अगर सचिन यह मुकाबला जीतते हैं, तो भारत के लिए एक मेडल पक्का हो जाएगा। दिनभर में कुल 26 गोल्ड मेडल इवेंट्स होंगे। इनमें सबसे ज्यादा 11 स्विमिंग एंड पैरा स्विमिंग, 8 एथलेटिक्स एंड पैरा एथलेटिक्स और 3 वेटलिफ्टिंग के गोल्ड इवेंट शामिल हैं।

एथलेटिक्स में दोपहर 3:35 बजे तजिंदरपाल सिंह तूर और समरदीप सिंह गिल पुरुष शॉटपुट क्वालिफाइंग में उतरेंगे। 4:02 बजे अनीमेष कुजूर पुरुष 200 मीटर हीट्स दौड़ेंगे। देर रात 11:54 बजे श्रीशंकर मुरली और लोकेश सत्यानाथन पुरुष लॉन्ग जंप फाइनल में मेडल के लिए चुनौती पेश करेंगे। इसके बाद 12:31 बजे मनप्रीत कौर महिला शॉटपुट फाइनल, 12:55 बजे देवेंद्र कुमार और सागर थयात पुरुष डिस्कस थ्रो F42-44/F61-64 फाइनल खेलेंगे। इसके बाद 1:42 बजे मोहम्मद बासिल एम और दिलीप महादु गावित पुरुष 100 मीटर T47 फाइनल खेलेंगे। फिर 2:05 बजे पारुल चौधरी महिला 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल में उतरेंगी।

बॉक्सर सचिन सिवाच और वेटलिफ्टर संजना।

> वेटलिफ्टिंग में दोपहर 2 बजे संजना महिला 77 केजी फाइनल में उतरेंगी। भारतीय दल को उनसे गोल्ड मेडल की उम्मीद रहेगी। इसी दिन पुरुष 94 केजी और महिला 86 केजी वर्ग के फाइनल भी खेले जाएंगे।

श्रीशंकर मुरली से लॉन्ग जंप में मेडल की उम्मीद है।

स्विमिंग में साजन प्रकाश और आर्यन नेहरा पर नजर

स्विमिंग में दोपहर 3:12 बजे साजन प्रकाश और अनीश एस गौड़ा पुरुष 200 मीटर फ्रीस्टाइल हीट्स में उतरेंगे। दोनों के क्वालिफाई करने पर रात 11:51 बजे फाइनल खेला जाएगा। वहीं 1:14 बजे आर्यन नेहरा पुरुष 1500 मीटर फ्रीस्टाइल फाइनल में सीधे मेडल के लिए चुनौती पेश करेंगे। पैरा स्विमिंग में सुयश नारायण जाधव और चैतन्य विश्वास कुलकर्णी पुरुष 50 मीटर फ्रीस्टाइल S7 हीट्स खेलेंगे। क्वालिफाई करने पर दोनों रात 12:46 बजे फाइनल में उतरेंगे।

मनोरंजन

राहत अभियान के तहत भेजा खाने-पीने का और अन्य जरूरी समान

असम बाढ़ पीड़ितों के लिए मसीहा बने सलमान ख़ान

नई दिल्ली। असम इस समय भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। प्रभावित लोगों की मदद के लिए हर तरफ से सहायता मिल रही है। ऐसे में बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान भी इस मुहीम का हिस्सा बनने के लिए आगे आए।

इंडिया टुडे के अनुसार, एक्टर के करीबी सूत्रों ने बताया है कि बाढ़ से प्रभावित परिवारों की जरूरतों को पूरा करने के लिए राहत कार्यक्रम को कई चरणों में तैयार किया गया है। इस अभियान का पहला चरण पहले ही शुरू हो चुका है, जिसमें प्रभावित लोगों को खाने के पैकेट और जरूरी सामान बांटे जा रहे हैं।

आने वाले चरणों में राशन किट देने के साथ-साथ बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए स्कूलों और अस्पतालों को फिर से बनाने में मदद करने पर ध्यान दिया जाएगा। 'बीइंग ह्यूमन' के जरिए सलमान खान ऐसी मदद पहुंचाना चाहते हैं जो सिर्फ तुरंत राहत देने तक ही सीमित न हो, बल्कि समुदायों को सामान्य स्थिति में लौटने में भी मदद करे। बॉलीवुड के ज्यादातर सेलेब्रिटीज ने असम में आई बाढ़ के बारे में कुछ नहीं कहा है, लेकिन मंगलवार को आलिया भट्ट ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया और लोगों से पीड़ितों की मदद करने की अपील की। इसके बाद भूमि पेडनेकर ने भी एक वीडियो संदेश के जरिए वहां का हाल बयां किया और मदद के लिए आवाज उठाई।

अपनी संस्था के जरिए पहुंचा रहे मदद

उन्होंने राज्य में अपने फैन क्लब के साथ मिलकर, अपनी संस्था 'बीइंग ह्यूमन' (Being Human) के जरिए मदद का हाथ बढ़ाया है। इस राहत अभियान का मकसद बाढ़ से जूझ रहे लोगों को तुरंत मदद पहुंचाना और साथ ही लंबे समय तक सहायता की योजना बनाना है।

यह अभियान सिर्फ खाना बांटने तक सीमित नहीं रहेगा। टीम ने एक चरणबद्ध योजना तैयार की है जिसमें जरूरी सामान पहुंचाना, पुनर्वास के प्रयास और आपदा से प्रभावित जरूरी सुविधाओं को फिर से बनाने में मदद करना शामिल है।

कंगना रनोट को उनकी पार्टी भी सीरियसली नहीं लेती

सौरव दास के बयान पर भड़कीं एक्ट्रेस

नई दिल्ली। लगातार स्टूडेंट प्रोटेस्ट की आलोचना कर रहीं एक्ट्रेस और सासंद कंगना रनोट कॉकरोच जनता पार्टी के प्रवक्ता सौरव दास के बयान पर भड़क गईं। दरअसल, कंगना के प्रोटेस्ट विरोधी बयानों पर सौरव ने कहा कि उन्हें उनकी पार्टी तक सीरियसली नहीं लेती है, तो बाकी लोगों को भी नहीं लेना चाहिए। सौरव के बयान पर कंगना भड़क गईं और जवाब में उन्हें बेरोजगार और बेकार कहा।

कंगना रनोट के विरोधी बयानों पर बात करते हुए सौरव ने एएनआई से कहा, 'देखिए, कंगना रनोट जी को उनकी पार्टी वाले ही उन्हें नहीं पूछते, ज्यादा सीरियसली नहीं लेते, तो हम क्यों लें। मुझे नहीं लगता कि जेन जी में या जेन अल्फा में या कोई यंगर जनरेशन में उन्हें कोई सीरियसली नहीं लेता।'

आगे सौरव ने कहा, 'वो पॉलिटिशियन हैं, नेता भी बन गई हैं। उनके तो कुछ वीडियो भी हैं, जब वो मंडी गई थीं। उन्होंने कहा था कि मैंने तो सोचा था कि थोड़ा बहुत काम करना पड़ेगा, यहां तो सांसद बनकर इतना काम करना पड़ता है। ये उनकी सीरियसनेस दिखाता है। वो हमें अनसीरियस बोल रही हैं, उन्होंने खुद को ही एक्सपोज कर दिया था। इस पर मैं ज्यादा कुछ बोलूंगा नहीं।

सलमान ने गिफ्ट की बीएमडब्ल्यू, चाबी समुद्र में फेंकी बिगड़ते देख इंदिरा गांधी बोलीं- बोर्डिंग स्कूल भेजो

67 के हुए संजय दत्त

> संजय दत्त के जन्म के बाद सुनील दत्त और नरगिस ने अपने बेटे के नाम के लिए फिल्म पत्रिका 'शमा' के पाठकों से सुझाव मांगे थे। इसके बाद देशभर से लगभग 15,000 से अधिक नाम आए। 'संजय' नाम आगरा की रहने वाली पुष्पा अग्रवाल ने सुझाया था।

नई दिल्ली। साल 1994। मुंबई की ठाणे सेंट्रल जेल की सबसे कड़ी सुरक्षा वाली अंडा बैरक में बंद एक आरोपी रक्षाबंधन के दिन अपनी बहनों का इंतजार कर रहा था। लोहे की सलाखों के पीछे दोनों बहनों ने उसके हाथ पर राखी बांधी, लेकिन उस भाई की जेब पूरी तरह खाली थी। देने के लिए न कोई तोहफा था, न पैसे।

कुछ पल तक वह चुप रहा। फिर जेल की कैंटीन से मिले दो-दो रुपए के चाय-नाश्ते के कूपन बहनों के हाथ में रख दिए और बोला, 'मेरे पास फिलहाल यही है।'

यह वही शख्स था, जिसके नाम पर कभी सिनेमाघरों के बाहर भीड़ उमड़ती थी। जिसकी फिल्मों के पोस्टर शहरों में छाए रहते थे और जो करोड़ों लोगों का सुपरस्टार था, लेकिन वक्त ने ऐसी करवट बदली कि वही एक्टर जेल की चारदीवारी के भीतर बहनों को सिर्फ दो रुपए के कूपन ही दे सका।

हम बात कर रहे हैं बॉलीवुड के 'संजू बाबा' यानी संजय दत्त की। यॉर्क में करीब तीन महीने तक कोमा में रहने के बाद नरगिस को होश आया था। उनकी सबसे बड़ी इच्छा थी कि वे जल्द भारत लौटें और अपने बेटे की पहली फिल्म 'रॉकी' देखें। 6 मार्च 1981 को भारत लौटने के बाद 9 मार्च 1981 को सुनील दत्त उन्हें फिल्म 'रॉकी' दिखाने घर के प्रीव्यू थिएटर तक ले गए। कमजोरी के कारण वे पूरी फिल्म नहीं देख सकीं और सिर्फ सात रील देखने के बाद उन्हें वापस कमरे में ले जाना पड़ा, लेकिन जितना देखा, उससे वे बेहद खुश थीं। उन्हें विश्वास था कि उनका बेटा संजू बड़ा स्टार बनेगा।

संजय की डेब्यू फिल्म 'रॉकी' का प्रीमियर 7 मई 1981 को तय किया गया था।

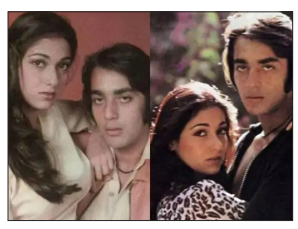

संजय दत्त और एक्ट्रेस टीना मुनीम ने फिल्म 'रॉकी' में काम किया था।

संजय जूतों में हेरोइन छिपाकर न्यूयॉर्क गए थे

1980 में संजय दत्त अपनी पहली फिल्म 'रॉकी' की शूटिंग में बिजी थे। इसी दौरान उनकी मां नरगिस की तबीयत बिगड़ गई और उन्हें मुंबई के ब्रीच कैंडी अस्पताल में भर्ती कराया गया। नरगिस को पैंक्रियाटिक कैंसर था और उन्हें इलाज के लिए न्यूयॉर्क के मेमोरियल स्लोन केटरिंग कैंसर सेंटर ले जाना था।

सुनील दत्त ने कांपती आवाज में अपने तीनों बच्चों संजय, नम्रता और प्रिया को बताया कि उनकी मां को कैंसर है। इसके बाद 'रॉकी' की शूटिंग रोक दी गई और 21 अगस्त 1980 को सुनील दत्त नरगिस को लेकर अमेरिका रवाना हो गए।

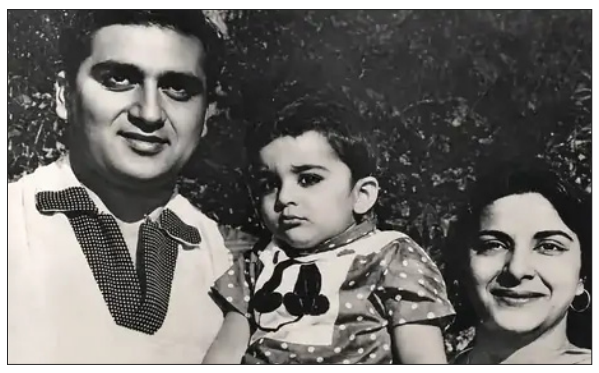

माता-पिता के साथ संजय दत्त की बचपन की तस्वीर। (AI की मदद से तस्वीर की क्वालिटी बेहतर की गई है।)

इंदिरा गांधी की सलाह पर बोर्डिंग स्कूल भेजा गया

संजय बचपन से ही परिवार के सबसे लाड़ले थे। माता-पिता, नानी और रिश्तेदार उनकी हर इच्छा पूरी कर देते थे। इसी वजह से वे बेहद जिद्दी भी होते जा रहे थे। स्कूल हो या घर, हर जगह उन्हें विशेष तवज्जो मिलती थी। हालांकि, संजय सिर्फ जिद्दी नहीं थे, उनका दिल भी बहुत बड़ा था। एक बार दिल्ली में एक शादी के दौरान उन्होंने ठंड से कांप रहे एक गरीब बच्चे को अपना सूट उतारकर दे दिया था।

लेकिन संजय की शरारतें परिवार की चिंता भी बढ़ा रही थीं। पत्रकार यासिर उस्मान द्वारा संजय दत्त पर लिखी किताब के मुताबिक छह साल की उम्र में उन्होंने पिता सुनील दत्त को सिगरेट पीते देखा और खुद भी सिगरेट पीने की जिद करने लगे।

इनसे कोई बातचीत नहीं करेंगे, फायरिंग में 30 प्रदर्शनकारियों की मौत

पीओके के प्रदर्शनकारी भारत जैसे दुश्मन : पाक रक्षा मंत्री

बयान

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक टीवी इंटरव्यू में कहा कि PoK में सरकार विरोधी प्रदर्शन कर रहे लोगों को वह भारत की तरह पाकिस्तान का दुश्मन मानते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से किसी तरह की बातचीत नहीं की जाएगी

आसिफ का यह बयान उस समय आया है, जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर यानी PoK में पुलिस की फायरिंग में 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए। यहां चुनाव के विरोध में जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) ने मार्च निकाला था। प्रदर्शनकारी PoK विधानसभा की 12 शरणार्थी सीटों को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। हिंसा के बाद पाकिस्तान ने पूरे PoK में अतिरिक्त सेना, पैरा मिलिट्री और आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी तैनात कर दी है। पूरे क्षेत्र में धारा-144 लागू कर इंटरनेट सेवाएं भी बंद कर दी गई हैं। POK विधानसभा में कुल 53 सीटें हैं। इनमें 8 सीटें महिलाओं, टेक्नोक्रेट्स और अन्य आरक्षित वर्गों के लिए हैं। बाकी 45 सीटों पर सीधे चुनाव होते हैं। इन्हीं 45 सीटों में 12 सीटें उन कश्मीरी शरणार्थियों के लिए हैं, जो 1947 और उसके बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तान चले गए थे। इन सीटों के मतदाता POK में नहीं, बल्कि पाकिस्तान के पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और अन्य हिस्सों में रहते हैं। इस बार इन 12 सीटों पर करीब 6 लाख मतदाता वोट डालेंगे।

JAAC का आरोप है कि इन सीटों के जरिए इस्लामाबाद की राजनीतिक पार्टियां POK की सरकार के गठन में दखल देती हैं।

तस्वीर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ की है। उन्होंने हाल ही में PoK में हुए प्रदर्शनों पर बयान दिया है।

भारत ने पीओके में हो रहे चुनाव को खारिज करते हुए इसे 'दिखावटी कवायद' बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पाकिस्तान इस प्रक्रिया के जरिए अपने अवैध कब्जे और मानवाधिकार उल्लंघनों पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहा है।

चुनाव का विरोध कर रही जेएएसी कौन है

जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) के कई राजनीतिक दलों, ट्रेड यूनियनों और सामाजिक संगठनों का गठबंधन है।

यह संगठन पिछले कुछ वर्षों से स्थानीय अधिकारों और प्रशासनिक फैसलों को लेकर आंदोलन करता रहा है। 2024 में JAAC ने महंगाई, बिजली बिल और टैक्स के खिलाफ बड़ा आंदोलन चलाया था।

रावलकोट में मंगलवार को प्रदर्शनकारियों पर फायरिंग की गई, जिसके बाद वहां भगदड़ मच गई थी।

5 हजार लोगों के मार्च पर चली गोलियां

मंगलवार को जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के बैनर तले करीब 5 हजार लोग रावलाकोट से मुजफ्फराबाद की ओर मार्च निकाल रहे थे। संगठन का आरोप है कि सुरक्षा बलों ने बिना किसी उकसावे के फायरिंग कर दी।

हालांकि, पाकिस्तान सरकार ने JAAC के आरोपों से इनकार किया है। सरकार का दावा है कि प्रदर्शनकारी आधुनिक हथियारों से लैस थे और उन्होंने पहले सुरक्षाबलों पर हमला किया, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई।

अडाणी पोर्ट्स का मुनाफा 10% बढ़कर 3,650 करोड़ हुआ

कंपनी को घरेलू पोर्ट्स कारोबार से फायदा मिला

मुंबई, एजेंसी

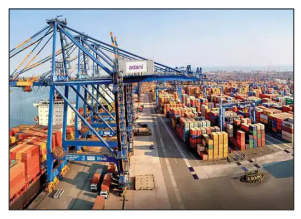

अडाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (APSEZ) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के नतीजे घोषित कर दिए हैं। मजबूत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय कारोबार के दम पर कंपनी का कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 10% बढ़कर 3,650 करोड़ रुपए पर पहुंच गया।

पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी को 3,311 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। कंपनी की ऑपरेशंस से होने वाली कमाई में भी 19% की बढ़त दर्ज की गई है। इस दौरान कंपनी का रेवेन्यू बढ़कर 10,821 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इसी अवधि में 9,126 करोड़ रुपए था।

तिमाही के दौरान अडाणी पोर्ट्स का EBIDTA यानी ऑपरेटिंग प्रॉफिट 19% बढ़कर 6,541 करोड़ रुपए हो गया, जो पिछले साल इसी तिमाही में 5,495 करोड़ रुपए था। EBITDA मार्जिन में भी मामूली सुधार देखा गया है और यह 60.2% से सुधरकर 60.4% पर पहुंच गया है। अडाणी पोर्ट्स ने बताया कि उसका डोमेस्टिक पोर्ट्स बिजनेस कमाई का सबसे बड़ा जरिया बना रहा। बेहतर कार्गो मिक्स, ज्यादा रियलाइजेशन और वॉल्यूम ग्रोथ के चलते घरेलू पोर्ट्स बिजनेस के रेवेन्यू में सालाना आधार पर 12% की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

इस पहली तिमाही के दौरान कंपनी के डोमेस्टिक पोर्ट्स ने कुल 115.3 मिलियन मीट्रिक टन (MMT) कार्गो हैंडल किया।

फास्ट न्यूज

भीषण गर्मी से परेशान यूरोप में एसी खरीदने की होड़

पेरिस। यूरोप के ज्यादातर हिस्सों में एयर कंडीशनिंग को एक गैर-जरूरी विलासिता माना जाता था, जबकि अमेरिकियों ने इसे रोजमर्रा की जिंदगी का एक आम हिस्सा बना लिया था। पश्चिमी यूरोप के लोगों की इस सोच में अब बदलाव आ गया है, क्योंकि इस बार यूरोप में जबरदस्त हीटवेव के कारण तापमान 100 F से ऊपर पहुंच गया। हीटवेव के चलते यूरोपीय लोग बड़ी संख्या में AC यूनिट खरीद रहे हैं।

अमेरिका में भारतीय एच-1बी वीजा धारकों की जगी उम्मीद

वाशिंगटन। अमेरिका में इमिग्रेशन को लेकर एक नया प्रस्ताव सामने आया है। दरअसल डोनल्ड ट्रंप की सख्त इमिग्रेशन पॉलिसी के सामने डेमोक्रेटिक सीनेटर एलेक्स पैडिला ने नया बिल पेश किया है। इस बिल का मकसद अमेरिका में रह रहे उन लाखों भारतियों को ग्रीन कार्ड का रास्ता दिलाना है जो लंबे समय से यहां रह रहे हैं। इस कदम से अमेरिका में रह रहे भारतीय समुदाय को बड़ी राहत मिली है। खासकर उन पेशेअर लोगों को जो H-1B वीजा पर यहां काम कर रहे हैं और लंबे समय से ग्रीन कार्ड मिलने का इंतजार कर रहे हैं।

पत्नी और 6 बच्चों को गोलियों से भूनकर पति ने किया सुसाइड

मिशिगन। अमेरिका के मिशिगन में 6 बच्चों के साथ मारी गई महिला ने अपनी मौत से पहले पति पर एक युवा इंटर्न के साथ कथित अफेयर का आरोप लगाया था। रिपोर्ट के अनुसार, 47 साल के क्रिस्टोफर कैरोल्कीविज ने मिशिगन के ग्रैंड हेवन टाउनशिप में अपने घर पर अपनी पत्नी 39 साल की अमांडा मैंडी कैरोल्कीविज और 5 से 15 साल की उम्र के अपने छह बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी ।

अडाणी एंटरप्राइजेज को पहली तिमाही में 1,160 करोड़ का घाटा

मुंबई, एजेंसी

अमेरिकी एजेंसी को 2644 करोड़ रुपए का सेटलमेंट पेमेंट देने की वजह से अडाणी एंटरप्राइजेज को जून तिमाही में 1,160 करोड़ का घाटा हुआ है। पिछले साल की इसी तिमाही में कंपनी को 885 करोड़ का मुनाफा हुआ था। अडाणी एंटर-प्राइजेज ने आज 29 जुलाई को वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही के नतीजे जारी किए हैं।

कंपनी को भले ही 1160 करोड़ रुपए का घाटा हुआ हो लेकिन पिछले साल की तुलना में उसका तिमाही रेवेन्यू 50% बढ़ गया है। पिछले साल की तिमाही में कंपनी ने 21,961 करोड़ रुपए का रेवेन्यू हासिल किया था।

कंपनी को जून तिमाही में हुए नेट लॉस का सबसे बड़ा कारण एक वन-टाइम यानी एकमुश्त खर्च है। अडाणी एंटरप्राइजेज ने अमेरिकी एजेंसी 'ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल' (OFAC) को 2,644 करोड़ का सेटलमेंट अमाउंट चुकाया है। इसी 2,644 करोड़ के वन-टाइम लॉस के एडजस्टमेंट के कारण कंपनी का मुनाफा प्रभावित हुआ और यह मुनाफे से घटकर घाटे में बदल गया। वन-टाइम सेटलमेंट लॉस के बावजूद कंपनी के कोर बिजनेस ऑपरेशंस में ग्रोथ देखने को मिली है। अमेरिकी ऑफिस ऑफ फॉरेन एसेट्स कंट्रोल (OFAC) अमेरिका के ट्रेजरी विभाग की एक वित्तीय खुफिया और प्रवर्तन एजेंसी है।

वजह- अमेरिकी एजेंसी को 2,644 करोड़ का सेटलमेंट पेमेंट किया रेवेन्यू 50% बढ़ा

15 क्रू मेंबर सवार थे ■ लगातार ड्रोन और मिसाइलों से अटैक हो रहे

यूक्रेन में जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंसे

कीव, एजेंसी

यूक्रेन में चोर्नोमोर्स्क बंदरगाह पर जहाज के पास हमले में 13 भारतीय फंस गए हैं। 'एमवी अमीर 1' नाम का जहाज लगातार हो रहे ड्रोन और मिसाइल हमलों के बीच फंस गया है। इसके बाद इंडियन सीमेन यूनियन ने इस मामले में तुरंत मदद की अपील की है।

यूनियन के मुताबिक, जहाज पर कुल 15 क्रू मेंबर सवार थे, जिनमें 13 भारतीय नाविक शामिल हैं। जहाज बेहद खतरनाक हालात में फंसा हुआ है। उसके आसपास लगातार ड्रोन और मिसाइल हमलों की कोशिश हो रही है, जिससे चालक दल के सदस्य हर पल सीधे हमले की आशंका में जी रहे हैं।

यूनियन ने भारत सरकार, जहाज के मालिक, फ्लैग स्टेट और सभी संबंधित अधिकारियों से अपील की है कि नाविकों की सुरक्षा तुरंत सुनिश्चित की जाए और उन्हें जल्द से जल्द सुरक्षित भारत वापस लाया जाए। यूनियन ने कहा कि भारतीय नाविकों को युद्ध वाले इलाके में निशाना बनने के लिए नहीं छोड़ा जाना चाहिए और इस मामले में तुरंत कार्रवाई की जानी चाहिए। यूक्रेन दुनिया के कुल गेहूं निर्यात का करीब 6% और मक्का निर्यात का लगभग 11% हिस्सा देता है। लेकिन लगातार हो रहे मिसाइल और ड्रोन हमलों के कारण ब्लैक सी के जरिए होने वाला यूक्रेन का अनाज निर्यात करीब एक-तिहाई तक प्रभावित हुआ है।

इंडियन सीमेन यूनियन ने जहाज के पास हमले का यह वीडियो जारी किया।

इंडियन सीमेन यूनियन भारत के समुद्री कर्मचारियों का एक संगठन है। यह जहाजों पर काम करने वाले भारतीय नाविकों और समुद्री कर्मियों के अधिकारों, सुरक्षा, वेतन और कामकाजी परिस्थितियों से जुड़े मुद्दे उठाता है।

ब्लैक सी में बढ़ता तनाव, कारोबार पर असर

यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब रूस और यूक्रेन के बीच ब्लैक सी और सी ऑफ एजोव में सैन्य गतिविधियां लगातार बढ़ रही हैं। इससे कारोबारी जहाजों और अनाज के निर्यात पर खतरा बढ़ गया है।

2022 में रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद ब्लैक सी दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री इलाकों में शामिल हो गया। कुछ अंतरराष्ट्रीय समझौतों से अनाज का निर्यात फिर शुरू हुआ था, लेकिन हाल के महीनों में बढ़े हमलों से यह व्यवस्था फिर प्रभावित हुई है।

यूक्रेन लगातार रूस के ऊर्जा ढांचे और तेल टैंकरों को निशाना बना रहा है। वहीं रूस ने यूक्रेन के बंदरगाहों, ईंधन भंडारण केंद्रों और कार्गो जहाजों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। रूस के रक्षा मंत्रालय ने भी दावा किया है कि उसकी सेना ने ओडेसा बंदरगाह पर ईंधन भंडारण केंद्रों पर हमला किया।

ईरान जंग में अब सऊदी अरब की एंट्री

अमेरिका के साथ मिलकर इराक में ईरान समर्थक लड़ाकों पर हमले किए, 20 की मौत

तेहरान, एजेंसी

ईरान जंग में अब सऊदी अरब की भी एंट्री हो गई है। सऊदी ने अमेरिका के साथ मिलकर मंगलवार रात इराक में ईरान समर्थक पॉपुलर मोबिलाइजेशन फोर्स (PMF) के लड़ाकों के ठिकानों पर हमले किए। न्यूज एजेंसी AFP के मुताबिक इसमें 20 लड़ाकों की मौत हो गई है जबकि 32 घायल हुए हैं।

अमेरिकी सेना के मुताबिक, इन ठिकानों से अमेरिकी सैनिकों और सऊदी अरब के ऊर्जा ठिकानों पर हमलों की तैयारी की जा रही थी। हमलों के कुछ घंटे बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। ये मिसाइलें जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे की ओर दागी गई थीं, लेकिन सभी को रास्ते में ही इंटरसेप्ट कर लिया गया।

यमन के हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के बंदरगाहों से जुड़े जहाजों को निशाना बनाने की चेतावनी दी है। इसके बाद चीन ने अपने तेल टैंकरों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए हूतियों से सीधे बातचीत की है। यह दावा रॉयटर्स ने मामले की जानकारी रखने वाले छह सूत्रों के हवाले से किया है।

चीन के विदेश मंत्रालय ने बातचीत की पुष्टि नहीं की है। लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी का कच्चा तेल लेकर चीन जा रहे कम से कम चार टैंकर इस रास्ते से गुजर चुके हैं। चीन ने हर जहाज की यात्रा के लिए हूतियों से अलग-अलग मंजूरी ली थी। हूतियों ने 20 जुलाई को शिपिंग कंपनियों को चेतावनी दी थी कि सऊदी अरब के बंदरगाहों पर माल लादने या उतारने वाले जहाजों पर हमला किया जा सकता है। इसके बाद सुरक्षा खतरे को देखते हुए कुछ तेल टैंकरों ने अपना समुद्री रास्ता बदल दिया था। इराक की स्थिति ऐसी है कि उसके दोनों बड़े साझेदार अमेरिका और ईरान एक-दूसरे के विरोधी हैं। इसलिए जब भी दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ता है, उसका असर सबसे पहले इराक पर पड़ता है।

इराक में ईरान समर्थित मिलिशिया के ठिकानों पर अमेरिका और सऊदी अरब की कार्रवाई का फुटेज।

अमेरिका ने इराक में अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा चेतावनी जारी की

बगदाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने इराक में मौजूद अमेरिकी नागरिकों से सतर्क रहने की अपील की है। यह सलाह ईरान समर्थित समूहों के हालिया हमलों के बाद जारी की गई है। दूतावास ने कहा है कि अमेरिकी नागरिक स्थानीय मीडिया पर नजर रखें और इराकी अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें। साथ ही चेतावनी दी कि सुरक्षा स्थिति के कारण बिना किसी पूर्व सूचना के हवाई क्षेत्र बंद किया जा सकता है या उड़ानों में बाधा आ सकती है। दूतावास ने यात्रियों से एयरपोर्ट जाने से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जांच करने की भी सलाह दी है।

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने 22 जुलाई को तेहरान में इराक के प्रधानमंत्री अली अल-जैदी से मुलाकात की थी।

ट्रम्प ने नेतन्याहू जेलेंस्की से बंद कमरे में मुलाकात की

कहा- ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की से अलग-अलग मुलाकात की। हालांकि, इस बार दोनों बैठकें ओवल ऑफिस में आमतौर पर होने वाले सार्वजनिक कार्यक्रम की बजाय बंद कमरे में हुईं। द न्यूयॉर्क टाइम्स के मुताबिक, ट्रम्प आमतौर पर विदेशी नेताओं से कैमरों के सामने मुलाकात करते हैं, लेकिन इस बार मीडिया को बैठक से दूर रखा गया। मुलाकात के बाद ट्रम्प ने भी कोई सार्वजनिक बयान नहीं दिया। इसकी जानकारी नेतन्याहू और जेलेंस्की ने खुद दी।

नेतन्याहू ने कहा कि ट्रम्प के साथ उनकी अच्छी बातचीत हुई और दोनों इस बात पर सहमत हैं कि ईरान को परमाणु हथियार नहीं बनाने दिए जाएंगे। वहीं, जेलेंस्की ने बताया कि करीब एक घंटे चली बैठक में रूस-यूक्रेन युद्ध खत्म करने की कोशिशों पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा कि ट्रम्प यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस सिस्टम उपलब्ध कराने के अपने वादे पर कायम हैं। यूक्रेन को इन सिस्टमों की जरूरत रूस के बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमलों से अपने शहरों और अहम ठिकानों की रक्षा के लिए है। होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों की आवाजाही अब भी धीमी बनी हुई है, जबकि बाब अल-मंदेब स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की संख्या बढ़ गई है।

समर्थन : छात्र आंदोलन को पाकिस्तानी समर्थन के दावे पर बोला भारत इंडियन जेनजी भी यही चाहते हैं

'पाकिस्तान सीमा पर आतंकवाद बंद करे'

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत सरकार ने मंगलवार को उन खबरों पर प्रतिक्रिया दी, जिनमें कहा गया था कि पाकिस्तान के कुछ सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स और GenZ समूहों ने दिल्ली में हुए CJP के छात्र आंदोलन का समर्थन किया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत की सबसे बड़ी चिंता पाकिस्तान का सीमा पार आतंकवाद है।

उन्होंने कहा,हम खुद को इस आंदोलन में देखते हैं। आखिर हम एक बंटे हुए परिवार के बच्चे हैं।

बिलाल ने प्रदर्शन कर रहे छात्रों को बहादुर बताया और कहा कि वे अपने देश का बेहतर भविष्य चाहते हैं। उन्होंने छात्रों से अपील की कि वे एकजुट रहें और कोई भी जोखिम सोच-समझकर उठाएं।

समर्थन सिर्फ बयानों तक सीमित नहीं रहा। कई पाकिस्तानी कंटेंट क्रिएटर्स ने आंदोलन पर मीम्स और वीडियो भी बनाए। कुछ ने मजाक में कहा कि उन्हें जंतर-मंतर पहुंचने से सिर्फ भारत-पाकिस्तान की सीमा रोक रही है। वहीं, कुछ लोगों ने पाकिस्तानी पासपोर्ट के साथ प्रदर्शन में पहुंचने की कल्पना वाले वीडियो बनाए। एक अन्य वीडियो में एक पाकिस्तानी महिला ने कहा कि भारत के GenZ की वजह से उसके लिए भारत से नफरत करना मुश्किल होता जा रहा है। पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर महविश एजाज ने भी छात्र आंदोलन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आने वाले छात्रों की संघर्ष की कहानियों ने उन्हें सबसे ज्यादा प्रभावित किया। दिल्ली पुलिस ने कहा था कि उसने 480 से ज्यादा पाकिस्तान-आधारित सोशल मीडिया हैंडल्स की पहचान की, जो छात्र आंदोलन से जुड़ी भ्रामक और फर्जी सामग्री फैला रहे थे। लेकिन पुलिस ने इन हैंडल्स के नाम सार्वजनिक नहीं किए।

पाकिस्तान के कई इन्फ्लुएंसर्स ने समर्थन जताया था

CJP छात्र आंदोलन के दौरान पाकिस्तान के कई सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने खुलकर छात्रों का समर्थन किया था। उन्होंने भारत और पाकिस्तान के साझा इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के युवाओं की परेशानियां और उम्मीदें एक जैसी हैं। इंस्टाग्राम पर करीब 3 लाख फॉलोअर्स वाले पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर बिलाल हसन ने एक वीडियो जारी कर कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच नफरत फैलाई गई है, लेकिन पाकिस्तान के लोग आंदोलन के पोस्टर, नारों और संदेशों को अच्छी तरह समझते हैं।

वहीं, पाकिस्तानी इन्फ्लुएंसर अहसान मिर्जा ने कहा,छात्रों को हमेशा छात्रों का साथ देना चाहिए। हम एक जैसे हैं। हमारे पूर्वजों ने एक ही रोटी खाई और अंग्रेजों के खिलाफ साथ लड़ाई लड़ी।

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी को चीन से मिला 6,000 करोड़ का फंड

अमेरिका विदेशी फंडिंग पर उठा सवाल, जांच शुरू करने की मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में यूनिवर्सिटीज को मिलने वाली विदेशी फंडिंग पर सवालों के बीच नया खुलासा हुआ है। इससे यूनिवर्सिटीज और ट्रम्प प्रशासन के बीच टकराव बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। शिक्षा विभाग के पोर्टल के मुताबिक, हार्वर्ड को विदेशी स्रोतों से रिकॉर्ड 43,100 करोड़ रु. मिले हैं, जो देश में सबसे ज्यादा है। इसमें से छह हजार करोड़ चीन से आए हैं।

ट्रम्प प्रशासन की वीसा नीतियों और प्रवासियों पर सख्ती के बीच अमेरिकी विश्वविद्यालयों पर विदेशी नागरिकों और पैसे पर अत्यधिक निर्भरता का आरोप लग रहा है, जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौते की बात कही जा रही है। ट्रम्प प्रशासन से जांच शुरू करने की मांग उठी है।

यह विवाद सिर्फ हार्वर्ड तक सीमित नहीं है। अमेरिका के वॉच-लिस्ट में शामिल शीर्ष पांच चीनी कंपनियों (जैसे हुआवेई और एयर चाइना) ने देश के अलग-अलग कॉलेजों को करीब 1,140 करोड़ रु. दिए हैं। इन्हें भी राडार पर लेकर जांच हो सकती है। अमेरिकी विश्वविद्या-लयों में आ रहा विदेशी पैसा सिर्फ दान नहीं, बल्कि रणनीतिक घुसपैठ का जरिया बन चुका है। फंड के इस खेल से अमेरिका के सामने कई बड़े खतरे खड़े हो गए हैं। यूनिवर्सिटी लैब्स में विदेशी फंड के जरिए गोपनीय रिसर्च और डेटा चुराए जाने की आशंका जताई जा रही है। आरोप हैं कि चीनी सेना से जुड़ी संस्थाएं फंडिंग देकर अमेरिकी तकनीक का इस्तेमाल अपने हथियारों को तैयार करने में कर सकती हैं।

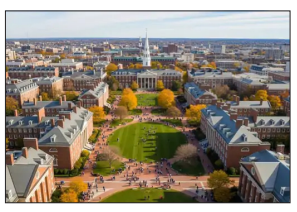

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676